CNEWS सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-116
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

सपनों को सच करने से पहले सपनों को ध्यान से देखना होता है।

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार 31 जुलाई 2024

सिंगल कॉलम

एक ओलंपिक में दो मेडल जीतने वाली पहली महिला बनीं मनु भाकर

पेरिस। भारत की स्टार शूटर मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक 2024 में इतिहास रच दिया है। वे ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली देश की पहली महिला निशानेबाज बन गईं। उन्होंने महिलाओं के व्यक्तिगत 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में कांस्य पदक जीता था। अब मनु ने मंगलवार को सरबजोत सिंह के साथ मिश्रित टीम 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में भारत को एक और कांस्य पदक दिलाकर इतिहास रच दिया है। मनु एक और कांस्य पदक जीतने के साथ ही एक ही ओलंपिक खेलों में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली एथलीट बन गई हैं। मनु से पहले नॉर्मन प्रिचर्ड ने 1900 के खेलों के दौरान एथलेटिक्स में दो रजत पदक जीते थे। तब भारत ब्रिटिश शासन के अधीन था। प्रिचर्ड के बाद कोई भी भारतीय एथलीट एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने में कामयाब नहीं हुआ था। हालांकि, कुछ भारतीय एथलीट हैं जिन्होंने अपने करियर में ओलंपिक खेलों में कुल मिलाकर दो पदक जीते हैं। इनमें सुशील कुमार (कुश्ती) और पीवी सिंधू (बैडमिंटन) शामिल हैं। सुशील ने लंदन 2012 में रजत पदक जीतने से पहले बीजिंग 2008 खेलों में कांस्य पदक जीता था। ऐसा करते ही वे स्वतंत्रता के बाद दो अलग-अलग ओलंपिक में एक से अधिक पदक जीतने वाले भारत के पहले व्यक्तिगत एथलीट बन गए। बैडमिंटन खिलाड़ी सिंधू ने रियो ओलंपिक में रजत पदक जीता। तब वे फाइनल में स्पेन की कैरोलिना मारिन से हार गई थीं। यह पहली बार था जब भारत ने ओलंपिक बैडमिंटन में रजत पदक जीता था। सिंधू ने बाद में टोक्यो 2020 में कांस्य पदक जीता। सिंधू ओलंपिक खेलों में कई पदक जीतने वाली भारत की एकमात्र महिला एथलीट हैं। हालांकि, उन्होंने ऐसा दो अलग-अलग संस्करणों में किया है। मनु का मामला सुशील और सिंधू से काफी अलग है क्योंकि वे स्वतंत्रता के बाद एक ही ओलंपिक खेलों में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बन गई हैं। मनु भाकर और सरबजोत सिंह ने कांस्य पदक के मैच में ओह ये जिन और ली वोन्हो की कोरियाई जोड़ी का सामना किया। मनु और सरबजोत ने क्वालिफायर में 580 अंक जुटाकर तीसरा स्थान हासिल किया था, जबकि कोरियाई जोड़ी 579 अंक के साथ चौथे स्थान पर रही थी। मनु और सरबजोत ने अब कांस्य पदक का मुकाबला 16-10 के अंतर से जीता है। मनु को अभी 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भी हिस्सा लेना है।

खत्म हो रही गरीब रथ एक्सप्रेस की चेयरकार की सुविधा, कल से बुकिंग बंद

नई दिल्ली। ट्रेनों में एसी कोच का किराया महंगा होने के चलते वर्ष 2006 में रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव आम लोगों के लिए नई सौगात लेकर आए थे। लालू यादव ने आम लोगों को एसी ट्रेन का सफर करवाने के लिए गरीब रथ की शुरुआत की थी। इस ट्रेन का किराया अन्य एसी ट्रेन की अपेक्षा से बेहद कम होता है। लेकिन अब इस ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों को बड़ा झटका लगने जा रहा है। रेलवे ने गरीब रथ के चेयर कार कोच को हटाने का निर्णय लिया है। इसमें एक अगस्त के बाद की यात्रा में बुकिंग नहीं होगी। अधिकांश गरीब रथ ट्रेनों में सिर्फ थर्ड एसी के कोच लगते हैं। लेकिन सहरसा-अमृतसर समेत कई गरीब रथ ट्रेनों में चेयरकार भी लगाए जाते हैं। लेकिन अब एक अगस्त से कई ट्रेनों में चेयरकार में यात्रा की सुविधा अब नहीं मिलेगी। सहरसा-अमृतसर में 31 जुलाई तक थर्ड एसी और चेयरकार दोनों के टिकट मिल रहे हैं। जबकि एक से पांच अगस्त से इस ट्रेन को रद्द कर दिया है। वहीं छह अगस्त से दोबारा शुरू हो रही गरीब रथ एक्सप्रेस में यात्रियों को चेयरकार के टिकट नहीं मिलेंगे। दरअसल, लंबे समय से गरीब रथ में लगे कोचो को बदलने की मांग उठ रही है। इसी मांग को देखते हुए गरीब रथ एक्सप्रेस के कोच को बदलने का निर्णय लिया गया है। अब इस ट्रेन में पारंपरिक आइसीएफ (इंटिग्रेटेड कोच फैक्ट्री) की जगह अब एलएचबी (लिंक हॉफमैन बुश) रेक लगाए जाएंगे। इसके सभी कोच थर्ड एसी इकॉनमी श्रेणी के होंगे। आम तौर पर गरीब रथ के थर्ड एसी कोच में 72 बर्थ होते हैं, लेकिन थर्ड एसी इकॉनमी में 72 की जगह 81 बर्थ उपलब्ध होगी। बदलाव के बाद एक कोच में नौ और पूरी ट्रेन में 162 बर्थ की बढ़ोतरी हो जाएगी। इस तरह कन्फर्म टिकट मिलने में हो रही दिक्कतों को दूर किया जा सकेगा। दूसरी तरफ, अब ज्यादा लोग थर्ड एसी की तुलना में 8 से 10 फीसदी तक कम किराये पर एसी ट्रेन से यात्रा कर सकेंगे।

रक्षाबंधन से पहले मोहन यादव ने महिलाओं के लिए बड़े फैसले

40 लाख लाड़ली बहनों को 450 रुपए में मिलता रहेगा एलपीजी सिलेंडर

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने लाडली बहनों को एक और बड़ी सौगात दी है। डॉ. मोहन यादव सरकार की मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में फैसला लिया गया कि मप्र की 40 लाख लाड़ली बहनों को 450 रुपए में रसोई गैस सिलेंडर मिलता रहेगा। इससे ऊपर की राशि की भरपाई राज्य सरकार करेगी। यह योजना वित्तीय वर्ष 2024-25 में लागू की जाएगी, जिससे लाभार्थियों को आर्थिक राहत मिलेगी। इस योजना का लाभ गैस कनेक्शन जिन महिलाओं के नाम होगा उनको मिलेगा। इसके लिए मोहन यादव कैबिनेट ने 160 करोड़ का बजट पास किया है। लाडली बहनों को मिलने वाले हर एक घरेलू सिलेंडर पर सरकार 398 रुपए की सब्सिडी देगी, जिसके चलते 848 रुपये में मिलने वाला घरेलू गैस सिलेंडर अब मात्र 450 रुपये में मिल सकेगा। बता दें कि इससे पहले मोहन यादव सरकार ने लाडली बहनों को राखी का तोहफा दिया था। अगस्त महीने में लाडली बहनों को 1250 रुपए के बजाय 1500 रुपए भेजे जाएंगे। कैबिनेट की बैठक के बाद नगरीय विकास और आ?वास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का लाभ दिया जाएगा। इसमें निधन होने पर 200000 रुपए और स्थाई दिव्यांगता पर 100000 रुपए का बीमा मिलेगा। प्रदेश में 97 हजार 300 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हैं। दोनों बीमा योजनाओं का प्रीमियम राज्य सरकार भरेगी। इस योजना के लिए 12.10 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। दोनों बीमा योजनाओं का क्रियान्वयन आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा आंगनवाड़ी सहायिका के मानदेय जमा किये जाने वाले बैंक खाते से संबंधित बैंक शाखा करेंगी।

वायनाड में लैंडस्लाइड से अब तक 165 मौतें, 220 लापता

1 हजार से ज्यादा लोगों का रेस्क्यू, 3 हजार से ज्यादा लोगों को रिहैब सेंटर भेजा गया

केरल के वायनाड में हुई भीषण लैंडस्टाइड में मृतकों की संख्या बढ़ती जा रहा है। मंगलवार से अब तक 165 लोगों के शव मलबे से निकाले जा चुके हैं। सेना की 26 टुकड़ी रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हैं। इंडियन आर्मी, नेवी, एयरफोर्स और एनडीआरएफ के जवानों ने 1000 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया है। 220 लोग लापता हैं, इनमें से 2 टूरिस्ट शामिल हैं। मौसम विभाग ने बुधवार को वायनाड समेत केरल के कुछ जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। जानकारी के मुताबिक, वायनाड में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात भारी बारिश के बाद रातभर में तीन बार भूस्खलन हुआ था। 4 अलग-अलग जगहों पर हुए लैंडस्लाइड में सैकड़ों लोग सैलाब में बह गए। कई घर मलबे में दफन हो गए। अभी 220 लोग लापता हैं। सेना और वायुसेना ने राहत और बचाव कार्य के लिए कमर कस ली है। सोमवार रात करीब 2 बजे भूस्खलन हुआ, फिर तड़के चार बजे दोबारा भूस्खलन हुआ। सीएम पिनरई विजयन राहत और बचाव कार्य पर नजर बनाए हुए हैं। लैंडस्लाइड की घटना का जायजा लेने वायनाड जा रहीं केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज बुधवार सुबह करीब साढ़े 7 बजे सड़क हादसे में घायल हो गईं। उन्हें मलप्पुरम स्थित मंजेरी के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। घटना एक स्कूटर सवार को बचाने के चलते हुई। केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने बुधवार को राहत और बचाव कार्य की समीक्षा के लिए बैठक बुलाई। राजस्व विभाग की ओर से 165 लोगों के मारे जाने की जानकारी दी गई। प्रभावित क्षेत्रों में मुण्डक्कई, चूरलमला, अट्टमला और नूलपुझा शामिल हैं। पुल और सड़कें बह गई हैं और कई क्षेत्र दुर्गम हो गए। जिला प्रशासन ने मुण्डक्कई से लोगों को एयरलिफ्ट करने की योजना बनाई है। कई इलाकों में बारिश के कारण सड़क संपर्क संपर्क टूट चुका है। मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने कहा कि राज्य स्वास्थ्य विभाग ने एक कंट्रोल रूम शुरू किया है। आपातकालीन सहायता के लिए 9656938689 और 8086010833 पर संपर्क किया जा सकता है।

मप्र में आज से फिर एक्टिव होगा बारिश का स्ट्रांग सिस्टम

इंदौर। मौसम विभाग ने मध्यप्रदेश में बुधवार से बारिश के स्ट्रांग सिस्टम के एक्टिव होने की जानकारी दी है। इससे प्रदेश में एक बार फिर से तेज बारिश का दौर शुरू होगा। मौसम विभाग के सीनियर वैज्ञानिक वेद प्रकाश ने बताया कि अभी साउथ-ईस्ट मध्यप्रदेश के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन एक्टिव है। मानसून ट्रफ गुना, रायसेन, मंडला से होते हुए बंगाल की खाड़ी की ओर जा रही है। दो अन्य सिस्टम भी एक्टिव हैं। इस वजह से बारिश का दौर चल रहा है। 31 जुलाई से स्ट्रॉन्ग एक्टिविटी दिखाई देगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक एवरेज 18.5 इंच बारिश हो चुकी है। यह नॉर्मल बारिश से 1.6 इंच ज्यादा है। पश्चिमी हिस्से- भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम, ग्वालियर-चंबल संभाग में एवरेज से 10 प्रतिशत ज्यादा पानी गिर चुका है। पूर्वी हिस्से- रीवा, सागर, जबलपुर और शहडोल संभाग में 4 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई है। बारिश के मामले में जबलपुर संभाग सबसे आगे है। सिवनी, डिंडौरी, छिंदवाड़ा, मंडला और बालाघाट में सबसे ज्यादा बारिश हुई है। वहीं, रीवा संभाग आंकड़ों में पीछे है। मौसम विभाग ने छतरपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, डिंडौरी और अनूपपुर में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने बताया कि रायसेन, सिवनी, ग्वालियर, उत्तरी शिवपुरी, पूर्वी श्योपुरकलां, मुरैना, रीवा, छतरपुर, टीकमगढ़ में बिजली के साथ मध्यम तूफान की संभावना है। वहीं पश्चिमी श्योपुरकलां, दक्षिणी शिवपुरी, भिंड, दतिया, गुना, अशोकनगर, भोपाल, राजगढ़, विदिशा, सागर, सीहोर, खंडवा, निवाड़ी, पन्ना, सतना, मैहर, अनुपपुर, शहडोल, सीधी में बिजली के साथ हल्की आंधी के साथ बारिश होने की संभावना है। सिंगरौली, मऊगंज, उमरिया, जबलपुर, डिंडोरी, मंडला, बालघाट, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, बैतूल में बारिश होगी। राजधानी भोपाल समेत प्रदेश के कुछ जिलों में मंगलवार को बारिश हुई वहीं भोपाल के कलियासोत डैम के दो गेट खोले गए हैं। हालांकि यह गेट टेस्टिंग के लिए खोले गए हैं। गेट खोलने से पहले नदी किनारे मुनादी भी कराई गई।

केंद्रीय बजट 2024-25 को मिली लोकसभा की मंजूरी

नई दिल्ली। लोकसभा ने मंगलवार को केंद्र सरकार के 2024-25 के लिए 48.21 लाख करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दे दी। निचले सदन ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के बजट को भी ध्वनिमत से मंजूरी दे दी। इनसे संबंधित विनियोग विधेयक भी सदन की ओर से पारित कर दिया गया। बजट बहस का जवाब देते हुए, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा 2024-25 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद के 4.9 प्रतिशत और 2025-26 तक 4.5 प्रतिशत से नीचे लाने का प्रस्ताव है। वित्तमंत्री ने लोकसभा में बजट की चर्चा का जवाब देते कहा कि हमारा लक्ष्य 2047 तक विकसित भारत बनाना है। इस वित्तीय वर्ष में 48.2 लाख करोड़ रुपये खर्च होंगे। उन्होंने कहा यह बजट विकसित भारत के लिए है और इसे भौगोलिक विकास के हिसाब से तैयार किया गया है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि विकसित भारत सरकार का विजन है। वित्तमंत्री ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में 48.2 लाख करोड़ रुपये खर्च होने जा रहा है। वित्त मंत्री ने कहा, हमारा लक्ष्य 2047 तक विकसित भारत बनाना है। वित्त मंत्री ने कहा कि हम देश में स्थितरता के निर्माण के लिए काम कर रहे हैं। विपक्षी दलों के आरोपों पर बोलते हुए वित्त मंत्री ने कहा, मैं यह साफ कर देना चाहती हूं कि अगर किसी राज्य का बजट में नहीं लिया गया इसका मतलब यह कतई नहीं है कि उस राज्य को पैसे जारी नहीं किए गए। विपक्ष को लोगों के बीच ऐसी गलत धारणा नहीं बनानी चाहिए। इस दौरान वित्तमंत्री ने बताया कि यूपीए सरकार के कार्यकाल के दौरान किस वर्ष के बजट में कितने राज्यों के नाम की चर्चा नहीं की गई। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में बजट चर्चा का जवाब देते हुए दावा किया कि हम राजकोषीय घाटे को 2025-26 तक 4.5ब से नीचे लाएंगे।

वजन घटाने वाले अमेरिकी इंजेक्शन माउंजारो को भारत में मिली मंजूरी

नई दिल्ली। वजन घटाने वाले अमेरिकी इंजेक्शन को भारत में मंजूरी मिल गई है। अमेरिकी कंपनी एली लिली के बनाए गए माउंजारो नाम का यह इंजेक्शन अगले कुछ महीनों में भारतीय बाजार में आ सकता है। इस इंजेक्शन में टिरजेपेटाइड ड्रग यूज किया गया है। यह इंजेक्शन टाइप-2 डायबिटीज के इलाज के लिए बनाया गया है और यह वेट लॉस में असरदार हो रहा है। जानकारों की मानें तो यह वेट लॉस इंजेक्शन बैरिएट्रिक सर्जरी का विकल्प हो सकता है। वजन घटाने के लिए जो सर्जरी की जाती है, उसे बैरिएट्रिक सर्जरी कहा जाता है। भारतीय बाजार में बिक्री के लिए किसी भी दवा या इंजेक्शन को दो संस्थाओं की मंजूरी की जरूरत होती है। पहली केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की और दूसरी ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) की मंजूरी लेनी पड़ती है। वजन घटाने वाले इस अमेरिकी इंजेक्शन को भारत में सीडीएससीओ की मंजूरी मिल गई है। संभावना है कि जल्द ही ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया से भी मंजूरी मिल जाएगी। उम्मीद है कि अगले पांच-छह महीने में वजन घटाने वाले इंजेक्शन मेडिकल स्टोर्स में उपलब्ध होंगे। बताया जा रहा है कि यह इंजेक्शन दिसंबर-2024 से पहले भारत में उपलब्ध हो जाएगा।

डॉक्टर की सलाह के बिना नहीं लगवा पाएंगे इंजेक्शन- अब सवाल है कि यह इंजेक्शन कौन लगवा सकता है? मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो डॉक्टर की सलाह के बिना लोग यह इंजेक्शन नहीं लगवा पाएंगे। सीडीएससीओ के पैनल ने डॉक्टर्स को बेहद सोच-समझकर यह इंजेक्शन लिखने की सलाह दी है। पैनल ने कहा कि यह इंजेक्शन उन लोगों को नहीं दिया जा सकता है, जिन्हें पहले पैंक्रियाज की बीमारी, थायरायड, मतली, उल्टी आदि की परेशानी है। अगर कोई डॉक्टर इस दवा को लिखता है उसे मरीज को एक्सरसाइज और हेल्दी डाइट लेने की भी सलाह देनी होगी। जब डॉक्टर को लगे कि वजन के कारण बीमारियां बढ़ रही है, तभी वह इसे लिख सकते हैं।

टिरजेपेटाइड क्या है?- टिरजेपेटाइड एली लिली की दवाओं, मौन्जारो और जेपबाउंड का एक्टिव इंग्रीडिएंट है। हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि टिरजेपेटाइड शरीर में दो जरूरी हार्मोन्स- जीआईपी और जीएलपी-1 की तरह काम करता है। जब इसे इंजेक्ट किया जाता है, तो यह इन हार्मोन्स के लिए रिसेप्टर्स एक्टिव करता है, जिसके कई प्रभाव होते हैं। यह पैनक्रियाज को ज्यादा इंसुलिन प्रोड्यूस करने के लिए स्टीमूलेट करता है और ब्रेन को पेट भरा हुआ महसूस करने का संकेत भी देता है। इस तरह यह दवाई न सिर्फ ब्लड में शुगर के लेवल को कम करती है, बल्कि भूख भी कम करती है, जिससे मोटापे से पीड़ित लोग ज्यादा खाने से बचे रहते हैं। कुछ विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि टिरजेपेटाइड और भी ज्यादा प्रभावी इसलिए है, क्योंकि यह जीआईपी की नकल करता है, जो भूख को कम करने के साथ-साथ शरीर में शुगर और फैट को तोड़ने के तरीके में सुधार कर सकता है, जिससे वेट लॉस की प्रक्रिया में मदद मिलती है।

यूपी विधानसभा में लव जिहाद बिल पास, उम्रकैद तक की होगी सजा

लखनऊ। यूपी विधानसभा में मंगलवार को लव जिहाज से जुड़ा बिल पास हो गया है। इस बिल में अब आरोपियों को उम्र कैद की सजा का प्रावधान है। इस कानून में कई अपराधों की सजा बढ़ाकर दोगुनी कर दी गई है। लव जिहाद के तहत कई नए अपराध भी इसमें जोड़े गए हैं। बता दें कि इससे जुड़ा विधेयक योगी सरकार ने सोमवार को सदन में पेश किया था। नए कानून में दोषी पाए जाने पर 20 साल की कैद या आजीवन कारावास का प्रावधान है। अब कोई भी व्यक्ति धर्मांतरण के मामलों में एफआईआर दर्ज करा सकता है। पहले मामले में सूचना या शिकायत देने के लिए पीड़ित, माता-पिता या भाई-बहन की मौजूदगी जरूरी थी। लव जिहाद के मामलों की सुनवाई सत्र न्यायालय से नीचे की कोई अदालत नहीं करेगी। लव जिहाद के मामले में सरकारी वकील को मौका दिए बिना जमानत याचिका पर विचार नहीं किया जाएगा। इसमें सभी अपराधों को गैर-जमानती बनाया गया है। बता दें कि उत्तरप्रदेश की योगी सरकार ने लव जिहाद के खिलाफ पहला कानून 2020 में बनाया था। इसके बाद यूपी सरकार ने विधानसभा में धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक 2021 पारित किया। इस विधेयक में 1 से 10 साल तक की सजा का प्रावधान था। इस विधेयक में यह प्रावधान था कि सिर्फ शादी के लिए किया गया धर्म परिवर्तन अमान्य माना जाएगा।

CNEWS सिटी चीफ
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार
Fastest Growing Media Network

अवश्यकता है

इंदौर भोपाल जिले के सभी तहसीलो में दैनिक अख़बार और डिजिटल रिपोर्टर की।
डिजिटल और प्रिंट के लिये मार्केटिंग टीम (मेल/फीमेल) एवं हेल्परो की अवश्यकता हैं

डिजिटल मीडिया का क्रान्तिकारी कदम
डिजिटल भारत में खबरों के लिए देखे सिटी चीफ न्यूज़

रिपोर्टर बनने के लिए सम्पर्क करे
9755996590

शहर सरकार का बजटः महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने पेश किया इंदौर नगर निगम का 8,232.26 करोड़ का बजट, 15 साल बाद बढ़ा टैक्स, नेता प्रतिपक्ष सदन से निष्कासित

संपत्ति कर और जलकर बढ़ाया कचरा कलेक्शन में बढ़ोतरी नहीं

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने मंगलवार को इंदौर नगर निगम का वर्ष 2024-25 का 8,232.26 करोड़ रुपए के अनुमानित खर्च का बजट पेश किया। इसमें शहरी निकाय को अलग-अलग स्रोतों से 8,302.26 करोड़ रुपये की आय का अनुमान लगाया गया है। नगर निगम का बजट सत्र भले ही हंगामेदार रहा, लेकिन अबकी बार इंदौर नगर निगम की ओर से पेश किए गए बजट में इंदौर के विकास के साथ-साथ डिजिटल इंदौर के लक्ष्य को पूरा करने पर विशेष फोकस देखने मिला है।

सिटी चीफ , इंदौर। मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी नगर निगम परिषद में मंगलवार को बजट विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ गया। हंगामे के कारण इंदौर नगर निगम परिषद अध्यक्ष ने नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे को एक दिन के लिए सदन से निष्कासित कर दिया। इससे नाराज कांग्रेस पार्षदों ने बजट का बहिष्कार कर दिया और सदन से बाहर चले गए। इसके बाद मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने बजट भाषण पढ़ा। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने मंगलवार को 8000 करोड़ रुपए का बजट पेश किया। महापौर ने चलित पाठशाला शुरू करने, सिटी बसों के किराए में 25 से 70 फीसदी तक की छूट का ऐलान किया है। महापौर ने बताया कि संपत्ति कर और जलकर बढ़ाया, लेकिन कचरा कलेक्शन में बढ़ोतरी नहीं की गई। 15 साल से टैक्स नहीं बढ़ाए गए। जबकि, नगर निगम सीमा में 29 गांव शामिल हुए हैं। इनका विकास भी जरूरी है। संपत्ति कर में कामर्शियल टैक्स अधिकतम 7 रुपए और रहवासी इलाकों में अधिकतम 3 रुपए बढ़ाया गया है। जल कर में फ्लैट 100 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। कचरा कलेक्शन शुल्क वही है। वह संस्थाएं जहां से डेढ़ टन अथवा उससे ज्यादा कचरा रोजाना निकलता है। उनका

बजट की मुख्य घोषणाएं

सड़क विकासः 468 करोड़ रुपये की लागत से शहर की सड़कों का विकास किया जाएगा। कुल 23 मार्ग बनाए जाएंगे, जिसमें मास्टर प्लान की तीन सड़कें भी शामिल हैं।

डिजिटलीकरणः बजट में डिजिटलीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। निगम अपना ई-पोर्टल तैयार करेगा।

वेस्ट टू एनर्जीः वेस्ट टू एनर्जी के लिए 200 करोड़ रुपये का नया प्लांट तैयार किया जाएगा, जिसमें 500 टन कचरे का निपटान होगा और छह मेगावाट बिजली उत्पन्न होगी।

ग्रीन स्लमः शहर की 30 बस्तियों को ग्रीन स्लम में परिवर्तित किया जाएगा। डोर टू डोर कचरा संग्रहण के लिए डेढ़ सौ नए वाहन खरीदे जाएंगे।

सोलर बेस्ड कॉलोनीः शहर के प्रत्येक वार्ड की एक कॉलोनी को 100 प्रतिशत सोलर बेस्ड बनाया जाएगा। पांच उद्यानों में भी सोलर सिस्टम लगाए जाएंगे।

नर्मदा परियोजनाः इस वर्ष नर्मदा के चौथे चरण का कार्य आरंभ होगा। 27 नई टंकियां बनाई जाएंगी, इस परियोजना पर 1800 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

आधुनिक पार्किंगः इंदौर के पांच क्षेत्रों में आधुनिक पार्किंग सुविधाएं बनाई जाएंगी।

कान्हा नदी शुद्धिकरणः कान्हा नदी के शुद्धिकरण के लिए 500 करोड़ रुपये की लागत से ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किए जाएंगे।

खेलों का बढ़ाने के लिए 2 करोड़ रुपए का प्रावधान

शहर में इस साल नगर निगम की तरफ से बड़ा कवि सम्मेलन करवाया जाएगा। इसके लिए बजट में प्रावधान किया गया है। वहीं महापौर केसरी स्पर्धा, गणेशोउत्सव के अनुदान को बढ़ाया गया है। यह अनुदान अब 30 की जगह पर 35 लाख रुपए का होगा। शहर में खेलों का बढ़ाने के लिए 2 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। वहीं शहर में पानी की 6 टंकियों का भी निर्माण किया जाएगा। शहर की पुरानी बावड़ियों का जीर्णोद्धार किया जाएगा।

शहर में बनेंगी 35 नई पानी की टंकियां

नगर निगम में प्रस्तुत बजट के अनुसार बढ़ते शहर में जल आपूर्ति हेतू नर्मदा के जल प्रदाय हेतु तीन चरण में कार्य चल रहा है। जलूद से शहर तक पेयजल आपूर्ति करने के लिए 27 नवीन टंकियों का कार्य पूरा हुआ है। नर्मदा के चौथे चरण का कार्य प्रारंभ किया गया है। शहर में 35 पानी की नई टंकियों का निर्माण किया जाएगा। जल प्रबंधन के लिए अमृत 2 परियोजना में 1800 करोड़ का प्रावधान किया गया है। अमृत 2 परियोजना में चार चरणों में कार्य किया जाएगा। जलूद में सम्पवेल, जलूद से इंदौर (बिजलपुर में सम्पवेल), इंदौर शहर में वितरण हेतु टंकियां निर्मित की जाएंगी।

कचरे से बनेगी बिजली, 200 करोड़ में लगेगा प्लांट

देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में कचरे से बिजली बनाने के लिए करीब 200 करोड़ रुपये की लागत से नया संयंत्र स्थापित किया जाएगा। महापौर की ओर से पेश बजट में इस आशय का प्रावधान किया गया है। महापौर ने कहा, कचरे को ऊर्जा में बदलने की प्राथमिकता के तहत हमारी लगभग 200 करोड़ रुपये की लागत से नया संयंत्र स्थापित करने की योजना है। यह संयंत्र पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उन्होंने कहा कि इस संयंत्र से न केवल हर रोज 500 टन कचरे का निपटारा होगा, बल्कि छह मेगावॉट बिजली का उत्पादन भी किया जाएगा।

आवासीय स्कीम की घोषणा

नगर निगम ने अपनी आय बढ़ाने के लिए इंदौर में एक आवासीय स्कीम लागू करने की घोषणा की। इसके अलावा कुछ एरिया में बहुमंजिला भवन भी बनाए जाएंगे। जलकर के लिए वन टाइम सेटलमेंट योजना के तहत 50 परसेंट की छूट दी। 29 गांव की नजूल की भूमियों पर भी निगम पीपीपी मॉडल के तहत प्रोजेक्ट लाएगा।

15 साल बाद टैक्स बढ़ाया

इस बार के बजट में जलकर और संपत्तिकर में इजाफा किया गया। जलकर में 100 रुपये बढ़ाए गए और जबकि संपत्तिकर में आवासीय में अधिकतम तीन और कमर्शियल में सात रुपए अधिकतम प्रतिवर्ग फीट वृद्धि की गई। एक ही आईडी में सभी टैक्सों को समाहित करते हुए टैक्स लिया जाएगा। डोर टू डोर कचरा शुल्क में कोई वृद्धि नहीं की गई। काम काजी महिला को सिटी बस में 75 और विद्यार्थियों को 25 प्रतिशत छूट दी गई।

कचरा कलेक्शन में कोई बढ़ोतरी नहीं

महापौर ने कहा कि 15 साल में करों की वृद्धि नहीं हुई, जबकि 29 गांव और शामिल हुए हैं। इसलिए उनका विकास भी जरूरी है। इस बार संपत्ति कर में व्यवसायिक रूप से अधिकतम 7 रुपए, रहवासी इलाकों में जोन वाइज अधिकतम 3 रुपए की बढ़ोतरी प्रस्तावित है। जल कर में फ्लैट 100 रुपए की बढ़ोतरी होगी। वहीं, डोर टू डोर कचरा कलेक्शन में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। लेकिन ऐसी संस्थाएं जो एक से डेढ़ टन से ज्यादा कचरा प्रतिदिन निकालती हैं उनका टैक्स बढ़ाया जाएगा। पानी के व्यवसायिक उपयोग पर भी टैक्स बढ़ेगा। उषा, आशा सहित अन्य महिला सुपरवाइजर को सिटी बस की यात्रा में 75त्न की छूट मिलेगी। बाहर से आने वाले विद्यार्थियों को सिटी बस में 25त्न की छूट मिलेगी।

8 माह में 23 प्रमुख सड़कें बनेंगी

468 करोड़ रुपए की लागत से आगामी 8 माह में शहर की 23 प्रमुख सड़कों का निर्माण किया जाएगा। ये सड़कें सुभाष मार्ग, जिंसी से नेमीनाथ चौराहा, जिंसी से लक्ष्मीबाई प्रतिमा, भागीरथपुरा रोड़, भमोरी से राजशाही गार्डन, जंजीरवाला चौराहे से अटल द्वार तक, मधुमिलन चौराहा से छावनी चौराहा, एडवांस्ड एकेडमी से रिंग रोड, जीपीओ से सरवेट बस स्टैंड हैं।

मेयर बोले- विकास विरोधी है कांग्रेस

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने नगर निगम बजट के दौरान कांग्रेस पार्षद दल के हंगामे पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस की मानसिकता विकास विरोधी है, हम आत्मनिर्भर नगर निगम और विजन 2050 के डेवलपमेंट का बजट पेश कर रहे थे, इस दौरान कांग्रेस पार्षद दल ने मीडिया में प्रचार पाने के लिए हंगामा किया। मन में बड़ी वेदना हुई जब देश के लिए शहीद होने वाले जवानों व अन्य क्षेत्रों में कार्य करने वाले दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी जा रही थी, तब कांग्रेस के नेताओं ने शोर शराबा करके देश के शहीदों का अपमान किया है। कांग्रेस को शहर से जुड़े विषयों एवं विकास कार्यों पर सकारात्मक सुझाव देने चाहिए थे। इंदौर की जनता इस प्रकार की नकारात्मक मानसिकता को लगातार नकारा है। इंदौर एक के बाद एक नवाचारों से देश में स्थापित हो रहा है और नगर निगम आत्मनिर्भर होने की और अग्रसर है, तो कांग्रेस इसे पचा नहीं पा रही है। शहर हित से जुड़े मुद्दों पर हंगामा करना उनकी संस्कृति रही है।

काले कपड़े पहनकर पहुंचे विपक्ष के पार्षद

यह बजट विपक्ष के बगैर ही पेश किया गया। क्योंकि विपक्ष के पार्षद काले कपड़े पहनकर नगर निगम में पहुंचे थे। वे लगातार भ्रष्टाचार को लेकर विरोध कर रहे थे, जिसके बाद सभापति ने उन्हें सदन से निलंबित कर दिया। सम्मेलन शुरू होते ही तख्तियां लेकर पहुंचे कांग्रेस पार्षदों ने हंगामा शुरू कर दिया। सभापति मुन्नालाल यादव ने कांग्रेस पार्षदों को चेतावनी दी की तख्तियां बाहर कर दें नहीं तो सभी को निलंबित कर दूंगा। लेकिन कांग्रेस पार्षद नहीं माने। वे लगातार नारेबाजी करते रहे। और तख्तियां लहराते रहे। सभापति ने नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे को पांच मिनट का समय दिया। इसके बाद भी वे नहीं माने तो उन्हें दिनभर के लिए निलंबित कर दिया। वे सदन से बाहर निकलकर धरने पर बैठ गए। इसके बाद विधायक रमेश मेंदोला और महेंद्र हार्डिया भी सदन से चले गए। दोनों ने मीडिया से बात करने से मना कर दिया। बताया जा रहा है कि इंदौर के विधायक जल, संपत्ति और स्वच्छता कर बढ़ाए जाने के विरोध में हैं।

योग शेड का निर्माण जारी

इंदौर नगर पालिक निगम ने योग मित्र अभियान के अंतर्गत शहर के सभी 85 वार्डों में योग केन्द्र स्थापित करने का निर्णय लिया था। इसके तहत एक योग शेड़ एवं योग शिक्षक का प्रावधान किया गया था। योग शेड़ों का निर्माण सभी वार्डों में किया जा रहा है, शिक्षकों की नियुक्ति की प्रकिया जारी है।

65 संजीवनी क्लिनिक बनकर हुए तैयार

प्रत्येक वार्ड में एक संजीवनी क्लिनिक का प्रावधान किया गया था। 65 संजीवनी क्लिनिक बनकर पूर्ण हो गए है। शेष का कार्य प्रगति पर है। प्रत्येक वार्ड में स्वास्थ्य की दृष्टि से ओपन जिम्नेशियम का निर्माण करने का प्रावधान किया गया है।

वर्ष 2021 तक का कर्ज खत्म

इंदौर नगर निगम ने वर्ष 2021 तक के कर्ज का भुगतान कर दिया है। कई भुगतान वर्ष 2014 से लंबित थे। बजट में इसकी विस्तृत जानकारी दी गई। निगम ने इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 2022 तक के कर्ज समाप्त करने का लक्ष्य रखा है।

कांग्रेस ने किया टैक्स बढ़ाने का विरोध

कांग्रेस पार्षदों ने 100 करोड़ के ड्रेनेज घोटाले का विरोध काले कपड़े पहन कर किया। वे तख्ती लेकर परिषद हॉल में जाने लगे तो बाउंसरों ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इस बात को लेकर विवाद भी हुआ। टैक्स बढ़ाए जाने के विरोध में कांग्रेस पार्षद धरने पर बैठ गए।

सुरक्षा को लेकर मिली खामी, इंदौर की 8 कोचिंग-लाइब्रेरी सील

सिटी चीफ । इंदौर दिल्ली में हुए कोचिंग हादसे से सबक लेते हुए इंदौर सहित मप्र में कोचिंग क्लासेस की जांच शुरू कर दी गई है। इसके तहत मंगलवार को भंवरकुआ और गीता भवन क्षेत्र में जांच की गई और अनियमितता मिलने पर सख्त कार्रवाई की गई। इंदौर में भी कुल 8 संस्थानों पर कार्रवाई की गई है। इंदौर के भंवरकुआ क्षेत्र में मां शारदा लाइब्रेरी, ज्ञान पंख लाइब्रेरी और अभ्यास लाइब्रेरी का संचालन बेसमेंट में हो रहा था। इनमें आने-जाने का एक ही रास्ता था। स्कॉलर्स करियर अकादमी का क्लास रूम भी बेसमेंट में मिला। इन सभी संस्थानों को सील किया गया।

एसडीएम घनश्याम धनगर के नेतृत्व में जांच के दौरान विवेकानंद इंस्टीट्यूट कोचिंग, स्वामी विवेकानंद लाइब्रेरी हाउस, ड्रीम अचीवर्स लाइब्रेरी और ज्ञानोदय लाइब्रेरी लोहे के एंगल और प्लाई की छत के ऊपर बिना अनुमति चलती मिलीं। टीम ने इन्हें भी सील कर दिया। एसडीएम धनगर ने कहा कि इन कोचिंग क्लासेस, लाइब्रेरी के संचालकों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दरअसल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को दिल्ली की घटना से सबक लेते हुए कलेक्टरों को सतर्क रहने के निर्देश दिए थे। सीएम ने कहा था कि यह गंभीर घटना है और एमपी में ऐसी स्थितियों से निपटने के निर्देश कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को दिए गए हैं। कलेक्टर जिलों में किए गए इंतजामों की प्राथमिक रिपोर्ट जल्दी ही देने वाले हैं। दोपहर को एसडीएम घनश्याम धनगर के नेतृत्व में जांच शुरू की गई। कुछ स्थानों पर बेसमेंट में नीचे जाने के लिए सीढ़ी पर कमजोर टिन शेड लगे थे जिनसे खतरा था। ऐसे ही एक संस्थान में रूम तक आने-जाने के लिए बहुत ही संकरी गली थी। अगर कुछ गड़बड़ी होने की स्थिति में यहां पर्याप्त जगह नहीं पाई गई। इसके पूर्व कमिश्नर दीपक सिंह ने संभाग के समस्त जिला कलेक्टर्स और नगर निगम कमिश्नर को निर्देश दिए थे कि उनके जिले में बेसमेंट में संचालित कोचिंग क्लासेस, हॉस्पिटल, होस्टल्स, लाइब्रेरी की जांच की जाएं। उन्होंने इसके लिए टीम गठित करने के भी निर्देश दिए। यह भी कहा कि यदि किसी संस्थान में अनियमितता पाई जाती है तो उक्त संस्थान के विरूद्ध वैधानिक कार्रवाई के लिए प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। भोपाल में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में आठ टीमों ने भोपाल के सभी कोचिंग सेंटरों की जांच की।जहां कई कोचिंग संस्थानों को बेसमेंट में संचालित किया जा रहा था, ऐसे में इन बेसमेंटों को सील कर दिया गया। बता दें कि भोपाल में एमपी नगर, कस्तूरबा नगर, कोलार, बिट्टन मार्केट, आईएसबीटी, शाहपुरा क्षेत्र में सबसे ज्यादा कोचिंग संस्थान हैं। यहां कई कोचिंग बेसमेंट में संचालित हो रहे थे। ऐसे में बच्चों की पढ़ाई को देखते हुए कोचिंग की जगह बेसमेंट सील किए गए हैं। भोपाल के एमपी नगर जोन-2 में स्थित नरेंद्र सिंह सोमवंशी कौटिल्य आईएएस एकेडमी का बेसमेंट और ऑफिस मंगलवार को सील कर दिया गया। बेसमेंट में संचालित होने वाली गतिविधियों को लेकर इंदौर पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता का कहना है कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर कलेक्टर के द्वारा एक कमेटी का गठन किया जा रहा है। जिसमें अपर कलेक्टर के साथ ही एसीपी स्तर के अधिकारियों को भी शामिल किया गया है। जो इस तरह के संस्थानों पर जाकर सुरक्षा ऑडिट और बिजली ऑडिट करने का काम करेंगे और जब तक वहां पर नियमों के अनुसार व्यवस्थाएं नहीं हो जाती, तब तक वहां पर कोई भी गतिविधियां संचालित

नामी स्कूल के टीचर ने 11 साल की छात्रा के साथ की गंदी हरकत, केस दर्ज

सिटी चीफ । इंदौर इंदौर के प्रेस काम्प्लेक्स स्थित लारेल्स इंटरनेशनल स्कूल में एक 11 साल की छात्रा के साथ अश्लील हरकत का मामला सामने आया है। छात्रा के साथ गंदी हरकतर करने वाला कोई और नहीं स्कूल का ही एक टीचर है। जिसके खिलाफ पास्को एक्ट के तहत केस दर्ज हुआ है। छात्रा ने पहले स्कूल की महिला टीचर को आपबीती सुनाई, लेकिन उन्होंने इसे गंभीरता से नहीं लिया। इसके बाद छात्रा ने माता-पिता को इसकी जानकारी थी। फिर मामला पुलिस तक पहुंचा। अश्लील हरकत का शिकार हुई छात्रा एक बिल्डर की बेटी है। वह दोपहर में स्कूल से आई तो डरी सहमी थी। मां ने इससे उसकी वजह पूछी तो छात्रा ने बताया कि स्कूल के गौरांग सर उसे घूरते है। मंगलवार को उन्होंने बरामदे में रोककर बेड टच किया। इसके बाद मैं भाग कर क्लास में पहुंची और टीचर को यह बात बताई। मां ने बेटी के साथ हुई घटना की जानकारी फोन पर पिता को दी तो वे घर पहुंचे और बेटी को लेकर सीधे थाने गए। छात्रा की शिकायत पर पुलिस ने छेड़छाड़ और पास्को एक्ट के तहत आरोपी टीचर गौरांग के खिलाफ केस दर्ज किया है। फिलहाल आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। इस घटना की शिक्षा जगत में चर्चा है। स्कूल प्रबंधन ने टीचर के खिलाफ क्या एक्शन लिया है। इसका खुलासा भी अभी नहीं हुआ है। बच्ची ने मां को बताया, सोमवार को ब्रेक मिलने पर हम क्लास के बाहर निकले। तब गौरांग सर ने क्लास के बाहर दरवाजे पर मुझे रोक लिया। वे बात करने लगे। इस दौरान मुझे कई जगह बैड टच किया। मुझे यह सब अच्छा नहीं लग रहा था। जैसे-तैसे उनसे छूटकर भागी और क्लास में पहुंची। कुछ देर बाद लंच हुआ तब डर के मारे क्लास से बाहर नहीं निकली। लंच के बाद क्लास में आई टीचर को गौरांग सर की हरकत के बारे में बताया। मुझसे टीचर ने कहा कि क्लास होने के बाद एक्शन लेते हैं, लेकिन स्कूल ने ध्यान नहीं दिया। बच्ची स्कूल से घर पहुंची और पूरी घटना की जानकारी मां को दी। इसके बाद पिता को फोन पर सूचना देकर घर बुलाया। बेटी को साथ लेकर माता-पिता ने लसूड़िया थाने में स्कूल टीचर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई।

शासन के निर्देशों की उड़ा रहे धज्जियां, रजिस्टर में नहीं थे हस्ताक्षर, प्रभारी के अलग-अलग बहाने

11:30 के बाद ऑफिस पहुंचते हैं पीएचई खंड भोपाल के कर्मचारी

सिटी चीफ भोपाल।
कोविड के दौरान मध्य प्रदेश में पांच दिवस कार्यालय लगाने की व्यवस्था के साथ कार्यालयीन समय में जो परिवर्तन किया गया था, उसका पालन नहीं हो रहा है। अधिकारी कर्मचारी समय पर कार्यालय नहीं पहुंच रहे हैं। सामान्य प्रशासन विभाग ने इसे गंभीरता से लेते हुए सभी विभागों को कार्यालयीन समयावधि का पालन कराने के निर्देश दिए हैं। लेकिन राजधानी भोपाल में ही शासन के निर्देशों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। पीएचई विभाग के भोपाल खंड में आधे से ज्यादा कर्मचारी 11:30 के बाद ऑफिस पहुंच रहे हैं। सोमवार को यहां ज्यादातर कर्मचारी यहां तक की अधिकारी भी नदारद मिले।

एचपीई विभाग के खंड भोपाल में 11:30 यहां के कुछ कर्मचारी पहुंच चुके थे, कुछ पहुंच रहे थे यहां तक की कार्यपालन यंत्री भी ऑफिस नहीं पहुंची थीं, हालांकि यहां के कर्मचारियों ने बताया कि मैडम मीटिंग में गई हुई है। अटेंडेंस रजिस्टर की पड़ताल की तो पता चला कि रजिस्टर में ज्यादातर कर्मचारियों ने सिग्नेचर ही नहीं किए हैं। कुछ कर्मचारी टीम को देखकर अपने हस्ताक्षर करने लगे। इस शाखा के प्रभारी विमल मौर्य से जब मामले की जानकारी मांगी गई तो उन्होंने अलग-अलग प्रकार के बहाने बताने लगे बोले कुछ लोग छुट्टी पर होंगे, कुछ लोग अस्पताल गए होंगे लेकिन जब उनसे पूछा गया कि आपके पास छुट्टी का एक भी आवेदन है तो उनके पास कोई जवाब नहीं था। उपस्थिति रजिस्टर में मुश्किल से तीन चार कर्मचारियों के सिग्नेचर थे इससे साफ जाहिर होता है कि पीएचई विभाग के खंड भोपाल ऑफिस में आने का और जाने का कोई समय निर्धारित नहीं है। इस मामले में जब यहां की कार्यपालन यंत्री से बात करने की कोशिश की गई तो उन्होंने कोई जवाब देना उचित नहीं समझा। जानकारी के अनुसार यहां की कार्यपालन यंत्री भी समय पर कभी ऑफिस नहीं पहुंचती हैं, यही वजह है कि कर्मचारी भी मनमानी तरीके से आते और जाते हैं।

नींद लेती मिली गुस्सा मैडम

पीएचई विभाग के खंड भोपाल में सोमवार को ज्यादातर कर्मचारी ऑफिस नहीं पहुंचे थे जो पहुंचे भी थे उनमें से एक मैडम भी पहुंची थी जो

अपनी कुर्सी में बैठकर नींद लेती दिखाई। जब उनसे इस मामले में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि आज सावन सोमवार का व्रत है इसलिए झपकी आ गई। जानकारी के अनुसार विभाग में गुस्सा मैडम एलडीसी के पोस्ट पर पदस्थ हैं, कार्यालय में इनको कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई है, इसलिए यह हमेशा बैठी ही रहती है। जबकि अपात्र लोगों को बड़े-बड़े काम देकर रखे गए हैं।

पिछले महीने ही जारी हुआ है आदेश

गौरतलब है कि अप्रैल 2021 से कार्यालयीन समय सुबह 10 बजे से शाम छह बजे तक निर्धारित है लेकिन सुबह 10 बजे अधिकतर कार्यालयों में कर्मचारी व अधिकारी नहीं आते हैं। इसे गंभीरता से लेते हुए सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागाध्यक्ष, कलेक्टर और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को 26 जून को एक आदेश जारी करते हुए निर्देश दिए हैं कि वे कार्यालयीन समयावधि का पालन कराएं।

कोरोना काल में बदल गया कार्यालय का समय

जानकारी के लिए बता दें कि कोरोना काल के बाद सरकार ने केंद्र की तरह ही प्रदेश में पांच दिन कार्यालय लगाने की व्यवस्था प्रारंभ की। पहले दूसरे और तीसरी शनिवार को अवकाश रहता था। इसमें परिवर्तन कर शनिवार को भी अवकाश रखा गया। इसके स्थान पर कार्यालयीन समय अवधि में परिवर्तन किया गया। सुबह साढ़े के स्थान पर 10 बजे से कार्यालय प्रारंभ होने और शाम साढ़े छह बजे की जगह छह बजे बंद करने की व्यवस्था बनाई।

प्रदेश में तेज बारिश से नदी नाले उफान पर

बरगी डैम के 7 गेट खुले, कई जिले में भारी बारिश का अलर्ट

सिटी चीफ भोपाल।
स्ट्रांग सिस्टम के चलते पिछले 10 दिन से मध्यप्रदेश में बारिश का दौर जारी है। लगातार हो रही बारिश से प्रदेश के नदी, नाले उफान पर हैं। लगातार बारिश के चलते उज्जैन में शिप्रा नदी के तट पर मंदिर डूब गए हैं। जलस्तर बढ़ने से बरगी डैम के सात गेट खोले गए हैं। वहीं विदिशा में संजय सागर बांध के 2 गेट खोले गए हैं।

बैतूल के सतपुड़ा डैम के 5 और पारसडोह डैम के 2 गेट से पानी छोड़ा जा रहा है। इधर राजधानी भोपाल की कलियासोत के डेम के गेट कभी भी खोले जा सकते हैं। सोमवार को भोपाल में हल्की बारिश हुई इस वजह से अभी तक गेट नहीं खोले गए जैसे ही तेज बारिश होगी गेट खोलना पड़ सकता है।

खरगोन में हुई सबसे ज्यादा 3.4 इंच हुई बारिश

मध्य प्रदेश मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में सबसे ज्यादा खरगोन में बारिश हुई है। खरगोन में सबसे ज्यादा 83 मिमी यानी, 3.4 इंच पानी गिर गया। वहीं, खंडवा में 2 इंच और रतलाम में आधा इंच से ज्यादा पानी गिरा। बैतूल, धार, नर्मदापुरम, इंदौर, उज्जैन, छिंदवाड़ा, मंडला, नरसिंहपुर, सागर, शाजापुर में हल्की बारिश हुई।

मौसम विभाग ने खंडवा के ओंकारेश्वर, नरसिंहपुर, दक्षिणी बैतूल, खरगोन के महेश्वर और बड़वानी के बावनगजा में अगले कुछ घंटों में आकाशीय बिजली चमकने के साथ भारी बारिश का अनुमान जताया है। इसके अलावा मऊगंज, मंदसौर, धार के मांडू, हरदा, आगर-मालवा, राजगढ़ में मध्यम गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। रीवा, बुरहानपुर, नर्मदापुरम के पचमढ़ी, उमरिया, शहडोल, छतरपुर के खजुराहो, पन्ना, इंदौर, अलीराजपुर, झाबुआ, सागर में हल्की गरज के साथ बारिश हो सकती है।

जाने अभी तक कहां कितना हुई बारिश

मध्य प्रदेश मौसम विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अभी तक प्रदेश के पश्चिमी हिस्से- भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम, ग्वालियर-चंबल संभाग में एवरेज से 10 फीसदी ज्यादा पानी गिर चुका है, जबकि पूर्वी हिस्से रीवा, सागर, जबलपुर और शहडोल संभाग में 4 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई है।

ऊबड़-खाबड़ मिट्टी के रास्ते पर कार ड्राइविंग देख लोगों को किया रोमांचित

भोपाल। सीहोर में मिट्टी पर कार रेस प्रतियोगिता (मड कार रेस) में 60 से अधिक रायडरों ने अपनी कारों के साथ हिस्सा लिया। रेस को देखने के लिए हजारों की संख्या में दर्शक पहुंचे तो इधर कार रेस में भोपाल, सीहोर, इंदौर, उज्जैन, रायसेन, होशंगाबाद व सिकंदराबाद सहित कई शहरो से पहुंचे राइडरों ने बेहतरीन कार ड्राइविंग कला का प्रदर्शन करते हुए हजारों दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

मड कार रेस के संरक्षक समाज सेवी अखिलेश राय और विधायक सुदेश राय के मुख्य अतिथि में आयोजन पूर्व पार्षद साजिद शाह और भोपाल से पहुंचे विशिष्ट मेहमानों के द्वारा डीजल और पेट्रोल केटी गिरी के फर्स्ट विनर को नकद 71000 दूसरे स्थान पर रहने वाले विनर को 31000 और तीसरे स्थान पर रहने वाले विनर को 21000 रुपए की नकद राशि और शील्ड कप प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। मड कार रेस प्रतियोगिता में सलीम खान, मनोज शर्मा, राजेंद्र वर्मा, अनवर शाह, सुरेश कुमार, राधेश्याम, धर्मेंद्र, हाफिज खान, सुलेमान सईद अहमद हसन सहित ग्रामीणजनों ओर शहर वासियों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

मध्य प्रदेश लोक निर्माण विभाग ने 10 लाख की रिश्वत लेने पर आरसी तिरोले को किया निलंबित

भोपाल। मुलताई एवं भैंसदेही में आठ सड़कों के बाकी बचे कामों के एक्सटेंशन के लिए ठेकेदार से 10 लाख रुपये की रिश्वत लेते पकड़े नर्मदापुरम के प्रभारी अधीक्षण यंत्री आरसी तिरोले को लोक निर्माण विभाग ने मंगलवार को निलंबित कर दिया। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय मुख्य अभियंता कार्यालय ग्वालियर परिक्षेत्र रहेगा। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने संबंधित अधीक्षण यंत्री को तत्काल प्रभाव से निलंबित किए जाने के निर्देश दिए थे। विभागीय अधिकारियों ने बताया विशेष स्थापना पुलिस लोकायुक्त संगठन को शिकायत मिली थी कि तिरोले ने मुलताई और भैंसदेही में आठ सड़कों के बाकी बचे कामों को पूरा करने के लिए समयावधि बढ़ाने के लिए 20 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। 10 लाख रुपये लेते उन्हें रंगे हाथों पकड़ा गया। उनका यह कृत्य मध्य प्रदेश सिविल सेवाएं (आचरण) नियम 1965 के प्रविधान के विपरीत है। इस आधार पर विभाग ने प्रभारी अधीक्षण यंत्री आरसी तिरोले को निलंबित किया गया है।

पुणे मंडल के दौंड स्टेशन पर इलेक्ट्रानिक इंटरलाकिंग कार्य के कारण लिया निर्णय

बदले हुए मार्ग से चलेंगी अहमदाबाद यशवंतपुर एक्सप्रेस सहित पांच ट्रेनें

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मध्य रेलवे के पुणे मंडल के दौंड स्टेशन पर इलेक्ट्रानिक इंटरलाकिंग कार्य के लिए नाल इंटरलॉकिंग कार्य किया जा रहा है। इसके चलते भोपाल मंडल से गुजरने वाली ट्रेन मार्ग परिवर्तित, शार्ट टर्मिनेट करने का निर्णय लिया गया है।

इन ट्रेनों के मार्ग में किया बदलाव

ट्रेन 14805 यशवंतपुर - बाड़मेर एक्सप्रेस 29 जुलाई को अपने निर्धारित मार्ग की बजाय परिवर्तित मार्ग वाया गुंतकल - बल्लारि - हुबली - मिरज - पुणे के माध्यम से परिवर्तित मार्ग पर चलाया जाएगा।

ट्रेन 22689 अहमदाबाद - यशवंतपुर एक्सप्रेस 30 जुलाई को अपने निर्धारित मार्ग की बजाय परिवर्तित मार्ग वाया सूरत - भुसावल - पुणे - मिरज - हुबली के माध्यम से परिवर्तित मार्ग पर चलाया जाएगा।

ट्रेन 16588 बीकानेर - यशवंतपुर एक्सप्रेस को अपने निर्धारित मार्ग की बजाय परिवर्तित मार्ग वाया 30 जुलाई को अपने निर्धारित मार्ग की बजाय परिवर्तित मार्ग वाया पुणे - मिरज - हुबली के माध्यम से परिवर्तित मार्ग पर चलाया जाएगा।

ट्रेन 09627 अजमेर - सोलापुर स्पेशल एक्सप्रेस 31 जुलाई को अपने निर्धारित मार्ग की बजाय परिवर्तित मार्ग वाया पुणे - मिरज - कुडुवार्डी के माध्यम से परिवर्तित मार्ग पर चलाया जाएगा।

ट्रेन 09628 सोलापुर - अजमेर स्पेशल एक्सप्रेस 01 अगस्त को अपने निर्धारित मार्ग की बजाय परिवर्तित मार्ग वाया कुडुवार्डी - मिरज - पुणे के माध्यम से परिवर्तित मार्ग पर चलाया जाएगा।

शार्ट टर्मिनेट ट्रेन

ट्रेन 22944 इंदौर-दौंड एक्सप्रेस 29 जुलाई से 31 जुलाई तक पुणे स्टेशन पर शार्ट टर्मिनेट होगी।

ट्रेन 22943 दौंड-इंदौर एक्सप्रेस 30 जुलाई से 01 अगस्त तक पुणे स्टेशन से शार्ट ओरिजिनेट होगी।

संस्थान में बाइक से प्रवेश पर रोक लगाने और नई पालिसी का विरोध

मैनिट में दो हजार विद्यार्थी फिर बैठे धरने पर

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी (मैनिट) में मंगलवार को फिर से करीब दो हजार विद्यार्थी संस्थान के मुख्य गेट पर धरना पर बैठे हैं। संस्थान में बाइक से प्रवेश पर रोक लगाने से नाराज होकर और संस्थान की नई पालिसी का विरोध करते हुए विद्यार्थी सुबह नौ बजे से मुख्य गेट को जाम कर दिया है।

ऐसे में संस्थान के बाहर और अंदर आना मुश्किल हो रहा है। प्रबंधन ने पुलिस की टीम को भी बुला लिया है। इसमें बीटेक सेकेंड,थर्ड,फोर्थ ईयर के साथ-साथ एमटेक के विद्यार्थियों ने धरना-प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों का कहना है कि संस्थान ने कई नए नियम बनाए हैं,जो किसी को भी पसंद नहीं आ रहे हैं। उनकी मांग है कि उन्हें दोपहिया वाहन से संस्थान के अंदर ले जाने कह अनुमति दी जाए, ताकि उन्हें दूर-दूर फैले विभाग में आने-जाने में परेशानी ना हो। हालांकि सोमवार को संस्थान के डीन ने विद्यार्थियों को समझाकर धरना खत्म कराने में सफल हुए थे, लेकिन फिर से विद्यार्थी सड़क पर उतर आए और प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

ये हैं विद्यार्थियों की मांगें

-विद्यार्थी परिषद के चुनाव जैसे होते थे वैसे ही होना चाहिए।विद्यार्थी परिषद का चुनाव नहीं होने से विद्यार्थियों की आवाज को दबाना है।

-छात्रावास शुल्क विद्यार्थियों के पास में रहनी चाहिए और छात्रावास के मेस शुल्क को कम करना चाहिए।

-विद्यार्थियों से मेंटेनेंस चार्ज 10,500 लेने के बावजूद छात्रावास के कमरों की हालत खराब है। वाटरकूलर का पानी दूषित हो गया है।भोजन भी गुणवत्तापूर्ण नहीं मिल रहा है। यहां स्वच्छता का ध्यान रखा जाए।

-खेल संकुल, पुस्तकालय, जिम, चिकित्सा सुविधाएं बढाई जाए, सभी का समय बढ़ाया जाए।

- इसमें लायब्रेरी रविवार व शनिवार को भी खुलनी चाहिए।जिमखाना का समय सुबह 10 बजे तक खुलनी चाहिए।चिकित्सा सुविधाएं 24 घंटे उपलब्ध होना चाहिए।

- अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए उपस्थिति मानदंड कम करने की मांग की गई।

मलेरिया विभाग ने 44 टीमों से कराया सर्वे

एक सप्ताह में 8 हजार से अधिक घरों में मिला डेंगू लार्वा

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। सतर्कता जरूरी है, नहीं तो डेंगू जानलेवा साबित हो सकता है। विभाग द्वारा किए एक सप्ताह के सर्वे में आठ हजार से अधिक घरों में डेंगू का लार्वा पाया गया है। मलेरिया विभाग की टीम लगातार घरों में जाकर सर्वे कर रही है। टीमों ने अभी तक दो लाख 75 हजार, 176 घरों का सर्वे किया है, जिसमें लगभग आठ हजार घरों में डेंगू का लार्वा पाया गया है। इन घरों में फूलों और पौधों के गमलों से लेकर पानी के बर्तनों, कूलरों एवं कंटेनरों में लार्वा जमा मिला है। खासबात यह कि घर के बर्तनों में सबसे ज्यादा लार्वा पाया गया है।

जांच के दौरान पता चला कि लार्वा से डेंगू फैलाने वाला एडीज मच्छर पनप रहा है। यह स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। हालात यह है कि हर दिन डेंगू का मरीज सामने आ रहा है। स्वास्थ्य विभाग अपनी टीमों को लगातार सर्व करने के लिए भेज रहा है। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. अखिलेश दुबे के अनुसार वरिष्ठ कार्यालय के निर्देश पर यह प्रक्रिया लगातार जारी रहेगी।

सर्वे के लिए 50 टीमों को मैदान में उतारा गया है, जो लगातार अपनी रिपोर्ट बना रही है।

स्वास्थ्य विभाग की टीम इसके साथ ही लोगों को जागरूक भी कर रही है।

आठ हजार 976 बर्तनों में खतरा

इस दौरान अधिकारियों ने 1997940 बर्तनों का सर्वे किया गया, जिनमें आठ हजार 976 बर्तनों में खतरा पाया गया है। जांच के दौरान तीन हजार 187 कंटेनरों में खतरे की आशंका दिखाई दी है, जिनमें भारी लार्वा होने की उम्मीद है। इन कंटेनरों को खाली कराकर टोमोफास डाला गया। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में लार्वा सर्वे का काम और भी अधिक प्रभावी तरीके से चलेगा। इसके लिए टीमें भी बढ़ाई जाएंगी। बतादें कि अभी तक भोपाल में डेंगू के मरीजों की संख्या 82 हो गई है।

सम्पादकीय

हार से उबरकर इतिहास रचने वाली मनु भाकर...

मनु के लिए टोक्यो ओलंपिक से इस ओलंपिक में पदक जीतने तक का सफर आसान नहीं रहा है। इस दौरान वे डिप्रेशन से गुजरीं, लेकिन उन्होंने हौसला नहीं गंवाया और जमकर मेहनत की और अब पेरिस ओलंपिक में इतिहास रच दिया है। टोक्यो में खराब प्रदर्शन के बाद वे इस खेल को छोड़ने पर विचार कर रही थीं, लेकिन आखिरकार उन्होंने अपनी हार से प्रेरणा ली। नतीजा यह है कि आज उनके हाथ में तिरंगा लहरा रहा है।

हमारे देश की 22 वर्षीय युवा शूटर मनु भाकर पेरिस ओलंपिक 2024 में दो पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के बाद 10 मीटर एयर पिस्टल की मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। मिश्रित टीम में मनु के साथ सरबजोत सिंह रहे। मनु के लिए टोक्यो ओलंपिक से इस ओलंपिक में पदक जीतने तक का सफर आसान नहीं रहा है। इस दौरान वे डिप्रेशन से गुजरीं, लेकिन उन्होंने हौसला नहीं गंवाया और जमकर मेहनत की और अब पेरिस ओलंपिक में इतिहास रच दिया है। टोक्यो में खराब प्रदर्शन के बाद वे इस खेल को छोड़ने पर विचार कर रही थीं, लेकिन वो कहते हैं न कि ऊपर वाला जब देता है तो छप्पर फाड़ कर देता है, मनु के साथ कुछ वैसा ही हुआ है। मनु ओलंपिक शूटिंग में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट भी हैं। वहीं, वे एक ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय भी हैं। 1900 में नॉर्मन प्रिचर्ड ने ऐसा किया था, लेकिन वह भारत की आजादी से पहले था और प्रिचर्ड ब्रिटिश मूल के एथलीट थे। मनु को अब इतनी कामयाबी मिली है कि पिछले सभी गमों को उन्होंने भुला दिया है। यह ओलंपिक में शूटिंग में टीम इवेंट में भी भारत का पहला पदक है। इससे पहले शूटिंग में सारे पदक व्यक्तिगत थे। 2004 में राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कांस्य, 2008 बीजिंग में अभिनव बिंद्रा ने स्वर्ण, 2012 लंदन ओलंपिक में गगन नारंग ने कांस्य और विजय कुमार ने रजत पदक जीता था। इस ओलंपिक में मनु ने कांस्य पर कब्जा जमाया और अब टीम इवेंट में भी पदक आया है।

मनु टोक्यो ओलिंपिक में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट के फाइनल में नहीं पहुंच सकीं थीं। यह बात सामने आई थी कि क्वालिफिकेशन राउंड के दौरान उनकी पिस्टल में खराबी आ गई थी। उनकी पिस्टल ने ऐन मौके पर उन्हें धोखा दिया था। मनु क्वालिफिकेशन राउंड में 575 अंक लेकर 12वें स्थान पर रहीं थीं। मनु को पिस्टल में खराबी की वजह से पांच मिनट इंतजार भी करना पड़ा था। मनु के पिता रामकिशन भाकर और नेशनल राइफल संघ के अधिकारी ने भी मनु की पिस्टल में तकनीकी खराबी की बात स्वीकार की थी। मनु ने तब क्वालिफिकेशन राउंड में 98 पॉइंट हासिल किए थे। दूसरे राउंड में उनकी पिस्टल में खराबी आ गई। इसके बाद वे टारगेट छोड़कर बाहर आईं और करीब पांच मिनट बाद उनकी पिस्टल ठीक हुई। उन्होंने दूसरे राउंड में 95, तीसरे में 94, चौथे 95, पांचवें में 98 और छठे राउंड में 95 अंक अर्जित किए। वे फाइनल में पहुंचने से दो अंक पीछे रह गईं थीं। इसके बाद मनु को रोते हुए देखा गया था। वे भावुक हो गई थीं। मनु ने कहा था कि टोक्यो ओलंपिक के बाद मैं दो महीने डिप्रेस थी। मैं जानती थी कि मैं जहां सिल्वर-ब्रॉन्ज नहीं, बल्कि गोल्ड जीत सकती हूं, लेकिन वहां पिस्टल की वजह से मैं चूक गई। लेकिन लाइफ वहां खत्म थोड़ी हो गई। मैंने सोचा कि मैं फिर से वो मोमेंट क्रिएट कर लूंगी। ओलंपिक के बाद एक महीने तक शूटिंग को देखा तक नहीं था। कहना यह चाहती हूं कि अगर कभी कामयाबी न मिले तो इसको सोचकर हार नहीं मान लेनी चाहिए। आपको ये सोचना चाहिए कि मैं आगे भी कर सकती हूं। आपके लिए लाइफ में सबसे ज्यादा जरूरी होती है आपकी खुशी। अगर आप हार के बाद भी खुश होने की क्षमता रखते हैं तो आप वो मोमेंट आगे चलकर भी दोहरा सकते हैं। अब मनु ने इस बात को सच कर दिखाया है। उन्होंने उस मोमेंट को फिर से बनाया और अब उसे जी रही हैं। मनु भाकर ने कहा था कि वे उसेन बोल्ट को देखकर और उनकी बायोग्रफी पढ़कर प्रेरित हुई हैं। मनु ने किसी हार से उबरने का तरीका बताते हुए कहा था- आप सभी को बायोग्रफी पढ़नी चाहिए। मैं अभी उसेन बोल्ट की बुक पढ़ रही हूं।

सवाल छात्रों के मौलिक अधिकार का

गिने- चुने कोचिंग संस्थानों को छोड़ दें तो अधिकांश में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे लाखों छात्र किन हालात में जी रहे हैं, किस तरह प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें बुनियादी सुविधाएं भी ठीक से मुहैया हैं या नहीं, इन पर शायद ही किसी का ध्यान जाता हो। खुद छात्रों और उनके अभिभावकों का ध्यान भी ज्यादातर इसी बात पर रहता है कि बच्चे का किसी तरह अच्छी नौकरी अथवा शिक्षा संस्थान में सिलेक्शन हो जाए बाकी बातें गौण हैं।

भारत में शिक्षा कोचिंग के दुष्चक्र में फंसे छात्र छात्राओं द्वारा हर साल आत्महत्याओं की बात नई नहीं है, लेकिन देश की राजधानी दिल्ली में एक नामी कोचिंग सेंटर की इमारत के बेसमेंट में पानी भरने से तीन भावी आईएएस बनने के इच्छुकों का बेमौत मारा जाना दरअसल तीनों की समूचे असंवेदनशील तंत्र द्वारा की गई हत्या है। इस घटना ने पहली बार यह मुद्दा शिद्दत से उठाया है कि आखिर छात्रों के भी मौलिक अधिकार हैं और उनकी हर हाल में रक्षा की जानी चाहिए।

दरअसल, मानवीय गरिमा से रहित माहौल में रहकर किसी परीक्षा को पास कर लेना भी अपने आप में नैतिक अपराध है। ऐसी ही एक प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र अविनाश दुबे ने देश के सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर गुहार की है कि वो छात्रों के मौलिक अधिकारों को संरक्षित करें। यह अधिकार स्वस्थ वातावरण में जीते हुए प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने का है।

हालांकि, देश में छात्रों के कुछ मौलिक अधिकार तो पहले से हैं। यह है शिक्षा का अधिकार, समान व भेदभाव रहित अवसरों का अधिकार, सूचना व निर्भीक अभिव्यक्ति का अधिकार। लेकिन शिक्षा के व्यवसायीकरण ने इन अधिकारों में स्वस्थ और तनाव रहित वातावरण में अध्ययन का अधिकार भी शामिल हो गया है। यह मुद्दा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि गिने- चुने कोचिंग संस्थानों को छोड़ दें तो अधिकांश में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे लाखों छात्र किन हालात में जी रहे हैं, किस तरह प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें बुनियादी सुविधाएं भी ठीक से मुहैया हैं या नहीं, इन पर शायद ही किसी का ध्यान जाता हो। खुद छात्रों और उनके अभिभावकों का ध्यान भी ज्यादातर इसी बात पर रहता है कि बच्चे का किसी तरह अच्छी नौकरी अथवा शिक्षा संस्थान में सिलेक्शन हो जाए बाकी बातें गौण हैं। कुछ दिनों की तकलीफ है। अंत भला तो सब भला। वो इस बात को भी दरकिनार कर देतें हैं कि कोचिंग संस्थान मोटी फीस लेने के बदले कैसी सेवाएं दे रहे हैं। ये कोचिंग संस्थान केंद्र सरकार की उस गाइड लाइन का पालन कर भी रहे हैं या नहीं, जो ऐसे कोचिंग संस्थानों में आधारभूत सुविधाएं तथा सेवाएं देने के लिए बनाई गई हैं। हालांकि इसमें वो मानसिक दबाव शामिल नहीं है, जिसके कारण हर साल कई बच्चे बीच कोचिंग में ही आत्महत्या कर न केवल खुद की जीवन लीला समाप्त कर लेते हैं बल्कि उन मां बाप को भी जीवन भर का जख्म दे जाते हैं, जो किसी तरह पेट काटकर अपने लाडले या लाडली को कुछ बनाने के लिए मुंह मांगा पैसा खर्च करते हैं।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग का कारोबार और इसके पीछे का मनोविज्ञान भारत में अब एक विशाल उद्योग और कारोबार का रूप ले चुका है। कोचिंग भी मुख्यतः दो तरह की होती है। पहली नौकरियों की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तो दूसरी श्रेष्ठ शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए। यह सिलसिला शिक्षण संस्थान में प्रवेश से लेकर अच्छी नौकरी पाने तक जारी रह सकता है।

देश में आज 68 हजार 118 रजिस्टर्ड कोचिंग संस्थान चल रहे हैं और इनमें हर साल करीब 3 लाख छात्र कोचिंग लेते हैं। अनरजिस्टर्ड कितने हैं, इसकी जानकारी नहीं है। राजस्थान का कोटा शहर सबसे बड़ा कोचिंग हब है, जहां 146 कोचिंग सेंटर हैं। कोचिंग संस्थान छात्रों को परीक्षा पास कराने के लिए अपने यहां अच्छे ट्यूटर, पेपर सॉल्व करने की तकनीक, विषयवार अध्यापन, मॉक इंटरव्यू आदि आयोजित करने का दावा करते हैं। यह तस्वीर पेंट की जाती है कि उनके यहां एडमिशन लेने पर जन्नत का द्वार खुल जाएगा।

प्रतियोगी परीक्षाओं के नतीजे आने के तत्काल बाद अखबारों में कोचिंग संस्थानों के बड़े-बड़े विज्ञापन छपते हैं, जिसमें सफल छात्रों की तस्वीरें और रैंक छापकर नए क्लायंट्स को आकर्षिक किया जाता है। ये कोचिंग में ऑन लाइन और ऑफलाइन दोनों होती हैं। ऑफ लाइन विद्यार्थियों के रहने के लिए होस्टल, मेस तथा लायब्रेरी सुविधा होने का भी दावा किया जाता है। लेकिन हकीकत में ये सुविधाएं कहां और कितनी गुणवत्तापूर्ण होती हैं, यह बड़ा सवाल है।

कई जानकारों का मानना है कि अगर स्कूल कॉलेजों में अच्छी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाए तो कोचिंग संस्थानों की अमरबेल पनप ही नहीं सकती। लेकिन वो एक अलग कहानी है।

एक अनुमान के अनुसार आज भारत में कोचिंग उद्योग 58 हजार करोड़ रू. का है, जो 15 फीसदी सालाना की दर से बढ़ रहा है। अगले चार सालों में इसके 1.33 लाख करोड़ रु. का हो जाने की संभावना है। कारण वही कि ज्यादा से ज्यादा लोग सरकारी नौकरी और बेहतर शिक्षण संस्थानों में प्रवेश लेना चाहते हैं, क्योंकि यही सुरक्षित भविष्य की गारंटी है। हालांकि इसका दूसरा पक्ष यह भी है कि कोचिंग उद्योग करीब 10 लाख लोगों को रोजगार भी दे रहा है।

इन सबके बावजूद दिल्ली की घटना शायद अपने आप में पहली ऐसी हिला देने वाली घटना है, जिसमें जिसमें एक किताबघर ही मौत के घर में तब्दील हो गया हो। इस भयंकर हादसे में जान गंवाने वाले तीनो विद्यार्थी श्रेया यादव, तान्या सोनी और नेविन डेल्विन अपने- अपने राज्यों से दिल्ली इस उम्मीद में आए थे कि वो कोचिंग लेकर यूपीएससी की कठिन परीक्षा पास कर आईएएस बनेंगे। लेकिन सिस्टम की लापरवाही ने उनके सपनो पर पहले ही गंदा पानी फेर दिया।

आश्चर्य की बात तो यह है कि दिल्ली के राजेंद्र नगर में जिस प्रतिष्ठित राउज आईएएस कोचिंग सेंटर में यह सब हुआ, उसे देश का पहला कोचिंग सेंटर माना जाता है। इसकी स्थापना 1953 डॉ. एस राव ने राजनीति विज्ञान की कोचिंग के रूप में कनाट प्लेस में की थी। बाद में यहां यूपीएससी परीक्षा की तैयारियों की कोचिंग भी शुरू हुई। अब इस कोचिंग संस्थान के मालिक अभिषेक गुप्ता हैं। संस्थान का ध्येय वाक्य है शिक्षा कभी बेकार नहीं जाती। इस संस्थान का दावा है कि 2024 में यूपीएससी में सफल छात्रों में से 281 छात्र राउज स्टडी सर्कल के हैं। शायद यही कारण है कि बच्चे इस संस्थान की बेसमेंट में बनी असुरक्षित लायब्रेरी में भी बैठकर पढ़ने में मशगूल थे और जब अचानक नाले का पानी वहां भरने लगा तो बच कर बाहर भी नहीं निकल सके। क्योंकि बिजली नहीं होने से बाहर निकलने का गेट भी जाम हो गया था।

यहां सवाल यह भी है कि बेसमेंट जहां अमूमन पार्किंग, स्टोर आदि होता है, में लायब्रेरी बनाने का क्या औचित्य है? यह इस बात का भी परिचायक है कि हम भारतीयों के लिए पुस्तकालय का कितना महत्व है? किताबें हमारे घरों अथवा इमारतों में कहां जगह पाती हैं? इस हादसे के बाद सोया प्रशासन और बेपरवाह सरकार भी जागी है। देरी से जागने वालों में वो अफसर भी हैं, जो शायद किसी कोचिंग के बाद परीक्षा पास कर नौकरी में आएं हों।

नाराज कोचिंग छात्रों के आंदोलन और व्यापक आलोचना के बाद कोचिंग संचालकों, बिल्डिंग मालिक और अन्य जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। 20 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार भी किया गया है। लेकिन यह सब चिड़िया खेत चुग जाने के बाद भी बातें हैं।

यहां मूल मुद्दा यह है कि क्या सरकारें कोचिंग संस्थानों पर यह दबाव बना पाएंगी कि वो इस काम को महज अंधी कमाई का धंधा न मानकर मूलभूत और गुणवत्तापूर्ण सेवा के रूप में लें। क्योंकि कोचिंग संचालकों का अपना जाल है और पहुंच है। जबकि कोचिंग में पढ़ रहे छात्रों का कोई देशव्यापी संगठन नहीं है, जो उन्हें इंसाफ दिलाने के लिए लड़ सके। कोई विद्यार्थी कोचिंग के बाद भी प्रतियोगी परीक्षा पास होता है या नहीं, यह अलग बात है, लेकिन जीने के सेहतमंद माहौल में परीक्षा की तैयारी करने के उसके मौलिक अधिकार की संरक्षा तो होनी ही चाहिए।

दिल्ली जैसे महानगरों में गरीब और मध्यम वर्ग के सैंकड़ों तंगहाली में भेड़ बकरी जैसे हालात में परीक्षा की तैयारी करते हैं। वो चुपचाप सहते जाते हैं। ऐसे लोगों का कभी कोई सर्वे हुआ हो, जानकारी में नहीं है। केवल उन लोगों की फोटो जरूर छपती है, जो परीक्षा पास कर गए हैं। लेकिन उन छात्र छात्राओं का क्या जिनके मानवीय गरिमा के साथ अध्ययन करने और जीने के संवैधानिक अधिकार का हनन सुनियोजित तरीके से हुआ है?

युवा आबादी में देश को वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनाने की क्षमता उम्मीदों की इंटर्नशिप योजना

यह कोई रहस्य नहीं है कि भारत की युवा आबादी में देश को वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनाने की क्षमता है। 65 फीसदी से ज्यादा भारतीय 35 वर्ष से कम उम्र के हैं। भारतीयों की औसत आयु मात्र 28 वर्ष है। यह भी किसी से छिपा नहीं है कि इस संभावित गतिशील, युवा कार्यबल को एक बड़ी बाधा का सामना करना पड़ता है- कौशल का अंतर, जो नियोक्ता द्वारा कर्मचारियों से अपेक्षित कौशल और कर्मचारियों के पास वास्तव में मौजूद कौशल के बीच की असमानता को बताता है।

भारत के लाखों युवक-युवतियों के पास, जिनमें औपचारिक डिग्रीधारी भी शामिल हैं, देश में या उसके बाहर आज के गतिशील कार्यस्थल के लायक जरूरी कौशल का अभाव है, चाहे वह विनिर्माण का क्षेत्र हो या सेवा का। भारत की?उन्नति तभी होगी, जब उसका कार्यबल तेजी से बदलते कामकाज की दुनिया में कार्य करने के लिए तैयार हो। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डाटा, डाटा एनालिटिक्स और साइबर सुरक्षा तेजी से भविष्य के मुख्य कौशल बनते जा रहे हैं। इसके अलावा, विश्लेषणात्मक सोच, नेतृत्व क्षमता, संकट प्रबंधन और टीम के साथ मिलकर काम करने का हुनर भी महत्वपूर्ण है। बेशक कुछ सम्मानजनक अपवाद हैं, लेकिन अब भी भारत की शिक्षा प्रणाली व्यापक स्तर पर रटने पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करती है, जिससे युवा लोग कार्य की बदलती दुनिया के लिए अयोग्य साबित होते हैं। इसमें बदलाव की जरूरत है, और इसके लिए व्यापक तौर पर फिर से प्रतिभा को तराशने और पुनर्कौशल की जरूरत है। यह सब नरेंद्र मोदी सरकार के केंद्रीय बजट-2024 में प्रस्तावित नई इंटर्नशिप योजना के लिए प्रासंगिक हैं। कौशल पर ऐसे समय में जोर दिया गया है, जब 2023-24 के आर्थिक सर्वेक्षण में पाया गया है कि कॉलेज से निकलने वाले दो में से लगभग एक स्नातक रोजगार के योग्य नहीं है। आर्थिक सर्वेक्षण में बताया गया है कि, %अनुमानों से पता चलता है कि लगभग 51.25 फीसदी युवा ही रोजगार के योग्य माने जाते हैं। यानी कॉलेज से निकलने वाले लगभग दो में से एक युवा अभी रोजगार के लिए तैयार नहीं माने जाते हैं। हालांकि यह ध्यान देने योग्य है कि पिछले दशक में यह आंकड़ा 34 फीसदी था, जो बढ़कर 51.3 फीसदी हो गया है।% सर्वेक्षण में यह भी कहा गया है कि?2030 तक सालाना औसतन लगभग 78.5 लाख नौकरियां पैदा करने की जरूरत है।

बजट में प्रस्तावित इंटर्नशिप योजना को लेकर लोगों में दिलचस्पी बढ़ी है। इस योजना का लक्ष्य 500 शीर्ष भारतीय कंपनियों के माध्यम से पांच साल में एक करोड़ युवाओं को कौशल प्रदान करना है। इसका लक्ष्य 21 से 24 वर्ष के वैसे युवा हैं, जो न तो कहीं नौकरी करते हैं और न ही जिन्होंने पूर्णकालिक शिक्षा हासिल की है। आईआईटी, आईआईएम, आईआईएसईआर और चार्टर्ड एकाउंटेंसी कॉलेज के स्नातक इसके योग्य नहीं हैं। अधिकांश लागत सरकार खुद वहनकरेगी, लेकिन संगठनों को अपने सीएसआर (कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी) फंड से इसमें योगदान देना जरूरी है। इस योजना पर नजर डालने से पता चलता है कि इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए भारत की शीर्ष 500 कंपनियों में से प्रत्येक को पांच वर्ष में 20,000 युवाओं को इंटर्नशिप कराना होगा, यानी हर साल 4,000 युवाओं को। प्रशिक्षुओं को प्रति माह 5,000 रुपये इंटर्नशिप भत्ता और 6,000 रुपये की एकमुश्त सहायता राशि देनी होगी।

जलवायु परिवर्तन अब एक सच्चाई, हमें हिमालय में निर्माण कार्य इसे ध्यान में रखकर ही करने चाहिए

समग्र हिमालय की तरह हिमाचल प्रदेश भी जलवायु परिवर्तन के दौर में लगातार आपदाओं की चपेट में आता जा रहा है। गत वर्ष की तबाही को अभी तक प्रदेश भूल नहीं पाया है। आपदा प्रभावितों के जख्मों पर अब तक पूरी तरह मरहम नहीं लगाया जा सका है। प्रदेश की कमजोर आर्थिकी और केंद्रीय सहायता के इंतजार में बहुत काम अटका पड़ा है। खासकर, जिनके मकानों के नीचे की जमीन धंस गई हैं, उन्हें वन संरक्षण अधिनियम के चलते वैकल्पिक जमीन देना भी असंभव बना हुआ है।

गत वर्ष दो हजार घर पूरी तरह से तबाह हो गए थे और नौ हजार आंशिक रूप से तबाह हुए। 400 से अधिक लोग काल का ग्रास बन गए थे। बाढ़-भूस्खलन का यह सिलसिला भले जलवायु परिवर्तन के चलते भयावह हो गया हो, या अवैज्ञानिक निर्माण कार्यों के कारण, दोनों ही मामलों में ये आपदाएं मानव निर्मित ज्यादा हैं और प्राकृतिक कम। अक्सर हम इन्हें प्राकृतिक आपदाएं कह कर अपनी गलतियां छिपाने की कोशिश करते रहते हैं। बाढ़-भूस्खलन प्राकृतिक तौर पर भी आते रहते हैं, किंतु मानव निर्मित कारणों से ये भयानक बन जाती हैं। बढ़ते वैश्विक तापमान के चलते ग्लेशियर पिघलने के कारण हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियर के भाग टूटकर और कुछ मलबा मिश्रण घाटियों में फंसकर कृत्रिम झीलों का निर्माण करता है। ये झीलें अचानक टूट जाती हैं और नीचे भयानक बाढ़ की विभीषिका देखने को मिलती है। पिछले साल हुई तबाही में कई जगह बादल फटने की घटनाएं भी कारण बनीं। बादल फटने की घटनाएं भी वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण ही बढ़ी हैं।

अब जलवायु परिवर्तन एक सच्चाई बन चुका है, इसलिए हमें हिमालय में निर्माण कार्य इसे ध्यान में रखकर ही करने चाहिए। एक तो जलवायु परिवर्तन के कारण अतिवृष्टि और ग्लेशियर पिघलने के कारण आने वाली बाढ़ों का खतरा बढ़ जाता है। दूसरे, हिमालय एक युवा पहाड़ है, जो अभी बन ही रहा है। इस कारण यह कमजोर और भुरभुरा है। भारी बारिश की मार न सह सकने के कारण यहां भूस्खलन होते हैं। ऐसे नाजुक भू-स्थल में जब निर्माण कार्यों के चलते अंधाधुंध तोड़फोड़ होती है, तब भी भूस्खलन से तबाही होती है। जब भूस्खलन का मलबा नदी-नालों में पंहुचता है, तो पानी और बाढ़ का बहाव तबाही मचा देता है। बांध, सुरंगें, चौड़ी सड़कें बनाने के दौरान निकले मलबे ढलानों पर फेंके जाने से तबाही बढ़ती है।

इन निर्माण कार्यों के लिए भारी मात्रा में वृक्ष भी काटे जाते हैं, जो कमजोर भूस्थल को और कमजोर बना देते हैं। खनन कार्य भी इस तबाही में योगदान देते हैं। ये सभी कार्य एक तरफ प्रकृति विध्वंस का कारण बनते हैं, तो दूसरी तरफ इन कार्यों से जुड़े लोगों के लिए आय का साधन होते हैं। इसलिए स्थानीय समुदाय दो हिस्सों में बंट जाता है। जो इस तबाही का शिकार होते हैं, वे इसका विरोध करते हैं, और जिन लोगों की आजीविका इन निर्माण कार्यों से चलती है, वे समर्थन में खड़े होते हैं। जो विस्थापित हो जाते हैं, उन्हें कुछ पीढ़ियों तक विस्थापन का दंश झेलना पड़ता है। इस द्वंद्व में हिमालय क्षेत्र फंसा हुआ है।

हिमालय देश को जिंदा रहने के लिए सबसे जरूरी हवा, पानी और भोजन की सुरक्षा की व्यवस्था करता है। हिमालय की इन पर्यावरणीय सेवाओं को बनाए रखकर ही देश और हिमालयी क्षेत्र का भविष्य सुरक्षित किया जा सकता है। इसलिए हिमालय के पर्यावरणीय तंत्र को सुरक्षित रखना और विकास कार्यों के विरोधाभास को समाप्त करना जरूरी है। सड़क निर्माण से लेकर पनबिजली परियोजनाओं तक हमारी निर्माण गतिविधियों को वैकल्पिक तकनीकों द्वारा पर्वत विशिष्ट मॉडल के रूप में विकसित करना होगा। मसलन, सड़क निर्माण कट ऐंड फिल तकनीक से करके डंपिंग से होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है।

हालांकि, पर्यटन भी स्थानीय आजीविका के लिए जरूरी आधार बनता जा रहा है, किंतु इसके कारण भी पहाड़ी ढलानों पर बढ़ते बोझ और कचरों से फैलने वाले प्रदूषण के चलते इसका भी नियमन किया जाना जरूरी है। इस व्यवसाय से जुड़े कुछ लोग उत्तरदायी पर्यटन की अवधारणा को लागू करने की बात कर रहे हैं। इससे पर्यावरण सुरक्षा के साथ-साथ पर्यटन व्यवसाय का टिकाऊपन भी सुनिश्चित हो सकेगा। मंडी और कुल्लू में कुछ समूह इस दिशा में कार्यरत हैं। फिर भी कुछ आपदाओं से बचाव के लिए आपदा प्रबंधन को चाक-चौबंद करना होगा। आपदा की स्थिति में तत्काल राहत के लिए स्थानीय समुदायों, स्वयंसेवी संस्थाओं, महिला मंडलों, युवा मंडलों, पंचायतों को जागरूक करना और प्रशिक्षित करना होगा।

सर्व समाज ने अनीता गुप्ता हत्याकांड में एसपी का घेराव कर 5 सूत्रीय मांगों का सोपा ज्ञापन

अरविंद सिंह पवैया । सिटी चीफ ग्वालियर, ग्वालियर शहर के चर्चित लूट हत्याकांड में सत्यम ट्रेवल्स के मालिक की पत्नी अनीता गुप्ता की कप गोली मार कर की गई निर्मम हत्या कांड पर सर्व समाज ने पीड़ित परिवार के साथ ग्वालियर एसपी का घेराव पर हत्यारों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की पीड़ित परिवार को सुरक्षा की मांग और सुरक्षा दृष्टि से शस्त्र लाइसेंस की मांग को लेकर सुबह 9 बजे एसपी ऑफिस सिटी सेंटर ग्वालियर में ज्ञापन सोपा अगर जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई तो बड़ा आंदोलन की बात कही गई जिसपर ग्वालियर एसपी ने 2 दिन का पीड़ित परिवार के हत्यारों को पकड़ने के लिए समय मांगा और अभिलंब सुरक्षा प्रदान करने का आश्वासन पीड़ित परिवार को दिया। ज्ञापन देने वालों में रोहित गुप्ता,जय गुप्ता,अमित शर्मा,विश्वजीत रातोनिया,श्याम वीर गुर्जर,राहुल गौर,कुलदीप बाथम,हिमांशु चौहान,शैलेंद्र भदौरिया,आशीष राय,सतीश राय,त्रिलोचन सिंह भानु परिवार ,डॉक्टर रजनीश निखारा और सेकडो लोग एसपी ऑफिस पहुंचे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय उद्योग बंधु की बैठक

उद्यमियों की समस्याओं का प्राथमिकता से करे निस्तारण :- डीएम मनीष बंसल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में जिला उद्योग बंधु की बैठक आयोजित की गई। जिला उद्योग बंधु समिति की बैठक के दौरान जिलाधिकारी मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि निर्धारित समय सीमा में उद्यमियों की समस्याओं का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में जिलाधिकारी मनीष बंसल ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि उद्योग बंधुओं से जुडे कार्यों को शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर करें। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि बैठक में पूरी तैयारी के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित होना सुनिश्चित करे। डीएम मनीष बंसल ने निर्देश दिये कि उद्योग बन्धुओं की समस्याओं का त्वरित निस्तारण समयबद्ध ढंग से किया जाये। उन्होंने कहा कि जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक में पारित निर्णयों का समय से अनुपालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी आपसी समन्वय स्थापित कर समस्याओं के निराकरण में तेजी लाए। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिये कि निवेश मित्र पोर्टल पर लम्बित सभी आवेदन पत्रों का समय से निस्तारण कराया जाना सुनिश्चित करें। निवेश मित्र पोर्टल पर कोई भी प्रकरण समय सीमा के उपरांत लंबित न रहे। जिला पंचायत एवं नगर निगम को कैलाशपुर रोड, नौ गजा पीर रोड तथा देहरादून रोड पर अपने अपने क्षेत्र में पानी निकासी हेतु कच्चा नाला बना दिया जाए। जिला पंचायत को निर्देश दिए कि संबंधित कार्यों के टेंडर हेतु प्रस्ताव बोर्ड की बैठक में प्रस्तुत करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, सिटी मजिस्ट्रेट गजेन्द्र कुमार, डीसी डीआईसी वीके कौशल, उद्यमीगण अनूप खन्ना, रविन्द्र मिगलानी, अनुपम गुप्ता सहित अन्य उद्यमी और विभाग के अधिकारीगण मौजूद रहे।

सहारनपुर में सड़कों पर दिख रहे है कांवड़िए ही कांवड़िए

उमस भरी गर्मी से भी नहीं रूक रहे उनके कदम, कांवड़ मार्ग पर वाहनों का आवागमन पूरी तरह बंद, सहारनपुर में भी एटीएस की तैनाती

गौरव सिंघल । सिटी चीफ देवबंद । सहारनपुर, आगामी दो अगस्त की शिवरात्रि है। सड़कों पर हरिद्वार से जल लेकर आने वाले कांवड़िए ही कांवड़िए दिखाई दे रहे हैं। उमस भरी गर्मी भी उनके कदम नहीं रोक पा रही है। पूरे कांवड़ मार्ग पर वाहनों का संचालन पूरी तरह से बंद है। सुरक्षा के लिए सहारनपुर में एटीएस की तैनाती की गई है। सहारनपुर से एक करोड़ से भी ज्यादा कांवड़ियों के निकलने की संभावना है और दो से ढाई करोड़ कांवड़िए मुजफ्फरनगर से निकलेंगे। कांवड़ मार्ग पर स्थान-स्थान पर सेवा शिविर लगाए गए हैं। जहां कांवड़िए आराम करते हैं और चिकित्सकों से उपचार कराते हैं और फिर आगे के लिए बढ़ जाते हैं। सहारनपुर के देवबंद क्षेत्र में गांव मानकी स्थित मनकेश्वर महादेव के मंदिर में भी शिवभक्त जलाभिषेक करते हैं। जहां स्वयं प्रगट शिवलिंग स्थापित है। सीओ देवबंद अशोक सिसौदिया ने बताया कि मनकेश्वर महादेव मंदिर पर कांवड़ियों की सुविधा के लिए हर जरूरी सुविधाएं की गई हैं और सुरक्षा के भी कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। ध्यान रहे देवबंद सांप्रदायिक लिहाज से बेहद संवेदनशील क्षेत्र है। लेकिन मुस्लिम समुदाय के लोगों का रूख भी बहुत सकारात्मक और श्रद्धाभाव का है। किसी तरह के कोई टकराव और बवाल का दूर-दूर तक अंदेशा नहीं है। फिर भी पुलिस-प्रशासन पूरी सावधानी और ऐहतियात बरत रहा है। कांवड़ यात्रा के चलते सड़क यातायात ठप्प हो जाने से लोगों को कठिनाइयां हो रही हैं और ट्रेनों पर यात्रियों का दबाव बढ़ गया हैं। उमस भरी गर्मी के चलते लोग वायरल बुखार से पीड़ित हो रहे हैं। चिकित्सकों के यहां भीड़ बढ़ गई है। जलाभिषेक होने में अभी तीन-चार दिन बाकी हैं। लेकिन विद्युत आपूर्ति सुचारू नहीं है जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दौरान 24 घंटे बिजली देने के कड़े निर्देश दिए थे लेकिन विद्युत अधिकारी इस कसौटी पर नाकाम साबित हुए हैं। इससे पता चलता है कि सरकार की मंशा कुछ ओर है और प्रशासन का वही लापरवाही भरा ढर्रा जारी है। सहारनपुर जिले में भी कई कांवड़ियों की हादसों में मौत हो चुकी है। जबकि पुलिस प्रशासन ने इसे रोकने के बड़े-बड़े दावे किए थे। उनकी सारी बयानबाजी बेकार की साबित हुई है।

कोठी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के हाल बेहाल, ड्यूटी डॉक्टर लापता

पुलिस एमएलसी के लिए हो रही परेशान, पीड़ित मरीज हलाकान

उमेश कुशवाहा। सिटी चीफ सतना, जिले के कोठी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के हाल इन दिनों इतने बेहाल है कि कहने के लिए कुछ नहीं बचा है, अब ऐसा हाल हो चुका है कि ड्यूटी डॉक्टर भी लापता है और पुलिस एमएलसी कराने तक के लिए परेशान है और करीब घंटे भर से पीड़ित मरीज को लेकर अस्पताल परिसर पर घूम रहे हैं पुलिस के सिपाही संजू बागरी ने बताया कि मैं एक पीड़ित मोहन लाल जोशी नाम के व्यक्ति को करीब घंटे भर से कोठी हॉस्पिटल पर लिए हुए हूं और उसकी एमएलसी करने वाला कोई नहीं है उसके कई जगह चोटें लगी हुई है और वह वृद्ध भी है जबकि अस्पताल परिसर पर कई डॉक्टर अपने-अपने रूम पर मरीजों को देख रहे हैं परंतु उसकी दवा भी करने वाला कोई नहीं है एमएलसी तो दूर की बात है और वह दर्द से पीड़ित व्यक्ति परेशान है, संजीव बागरी ने बताया कि जबकि अस्पताल परिसर पर डॉ एस के वर्मा एवं डॉ शिवेंद्र सिंह सहित कई और डॉक्टर भी मौजूद थे परंतु किसी ने एमएलसी नहीं किया और डॉक्टर लौकेश सोनी जी के ड्यूटी पर होने का हवाला देने लगे जबकि सभी मरीजों को अपने-अपने रूम पर देख रहे थे और डॉक्टर लौकेश सोनी अस्पताल परिसर पर मौजूद नहीं थे और यह बात जब पत्रकारों द्वारा सोशल मीडिया पर डाली गई तो फिर बाद में करीब घंटो बीत जाने के बाद आए, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था इतनी बेपटरी हो चुकी है कि कुछ भी अब कहने को नहीं बचा है जब कोठी की पुलिस को एमएलसी के लिए परेशान होना पड़ रहा है तो फिर आम जनता का क्या हाल होगा आप समझ सकते हैं अस्पताल परिसर पर मौजूद स्टाफ इतनी मनमानी पर उतारू है कि उसकी जो मर्जी आती है वह करता है और मरीजों के साथ गंभीरता नहीं दिखाता जबकि यह राज्य मंत्री के निजी क्षेत्र का एकमात्र सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र है जहां पर मरीजों को संचित उपचार नहीं दिया जा रहा इसके अतिरिक्त भी अस्पताल परिसर पर मनमानी है कोठी बीएमओ इन दिनों छुट्टी पर हैं चार्ज पर जो भी है वह गंभीरता नहीं बरत रहे तभी तो कोठी में ऐसे हाल हो गए हैं कि ड्यूटी पर डॉक्टर भी अपनी ड्यूटी ना मानते हुए मनमानी कर रहे हैं और अस्पताल परिसर पर नहीं है बताया गया कि डॉक्टर लौकेश सोनी प्रति मंगलवार ड्यूटी पर रहते हैं और ड्यूटी के दौरान उनके द्वारा लापरवाही सामने देखने को मिली है पूर्व में भी कई सवालों के घेरों में रहे हैं, वहीं पीड़ित मरीज मोहनलाल जोशी ने बताया कि मैं गुलुई गांव का रहने वाला हूं और जमीनी विवाद के चलते भतीजे ने मुझे मारा है जिसकी मैं रिपोर्ट करने थाना आया था मुझे कई जगह छोटे लगी हैं इसके बाद मुझे एमएलसी के लिए कोठी पुलिस द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया परंतु मेरी दवा किसी मौजूद डॉक्टर ने नहीं की जबकि मैं दर्द से हलाकान हो रहा था फिर जाकर कहीं पत्रकार महोदय के खबर चलाने के घंटो बाद डॉक्टर ने मेरी दवा की परंतु घंटे भर से अधिक मैं दर्द से कराहता रहा

पूर्व विधायक कल्पना वर्मा के अगुवाई में मुख्यमंत्री के नाम सौपा ज्ञापन

आदिवासियों का घर उजाड़ना क्षेत्रीय विधायक की साजिश

झंडा गांव के आदिवासियों के घर क्षेत्रीय विधायक के इशारे पर गिराए गए

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, जिले के रैगांव विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक श्रीमती कल्पना वर्मा के अगुवाई में शहपुर बंधा के पास झंडा गांव में 40 से अधिक आदिवासियों के मकान प्रशासनिक अमले व पुलिस के संरक्षण में वन विभाग द्वारा ढहा दिये गए पूर्व विधायक कल्पना वर्मा के नेतृत्व में रैगांव विधानसभा क्षेत्र का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सोपा व तत्काल झंडा गांव के आदिवासियों के ढहाये गये मकान तुरंत बनाए जाने व मकान में रखी सामग्री के नुकसान की छत्रपूर्ति तुरंत दिलाए जाने की मांग की। श्रीमती वर्मा ने कहा कि जब तक इनकी मांगे पूरी नहीं होती आंदोलन अनबरत जारी रहेगा ।

प्रतिनिधिमंडल ने आदिवासियों के गिरे हुए मकानो में क्षेत्रीय विधायक का हाथ होने का आरोप लगाया। जिला कांग्रेस सचिव सीमा मनीष बागरी वसुधा जनपद सदस्य, रैगांव विधानसभा युवक कांग्रेस अध्यक्ष शिवम सिंह हिलौंधा ,प्रतिनिधि मंडल में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सोहावल के अध्यक्ष प्रवीण सिंह यादवेंद्र सिंह पंजू प्रवीण सेन, जिला मिडिया प्रभारी कृष्णम सिंह रैगांव,मृगराज सिंह प्रिंस भईया,जमुना कोल पंकज मिश्रौलिया सतीश चौधरी ,शिवम साकेत अमन साकेत अंकित सिंह रितु सिंह गुलाम नबी कुरैशी सोहनलाल ,रामचरण मुन्नीलाल मवासी इंद्रलाल मावसी राजेश मावासी सुरेश मावासी कमलेश मावाशी राम सहोदरअनिल कुमार मवाशी रघुवीर मावासी देश लाल दादू लाल मावासी अमृतलाल प्यासी राम केवट मवासी राम प्रेममवासी सुग्रीव मवासी, नागोद ब्लॉक कांग्रेस मीडिया प्रभारी धर्मेन्द्र रजक हिलौंधा पूर्व युवक कांग्रेस उपाध्यक्ष विधानसभा रैगांव सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

अघोषित विद्युत कटौती को लेकर सभासदों ने एक्सईएन को ज्ञापन देकर अघोषित

कटौती रोके जाने और बिजली शेड्यूल के समय में परिवर्तन करने की मांग की

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, देवबंद क्षेत्र में हो रही अघोषित विद्युत कटौती को लेकर सभासदों ने एक्सईएन को ज्ञापन देकर अघोषित कटौती रोके जाने और बिजली शेड्यूल के समय में परिवर्तन करने की मांग की है। क्षेत्र के कई वार्डों के सभासद सांपला रोड स्थित ऊर्जा निगम के कार्यालय पर पहुंचे और एक्सईएन धीरेंद्र कुमार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि इन दिनों घोषित कटौती के अलावा अघोषित समय में भी जमकर विद्युत कटौती जारी है। जिससे उमस भरी गर्मी में लोग परेशान हैं। कहा कि सुबह कट का समय आठ से नौ बजे तक है। ऐसे में जिन स्कूलों में जनरेटर की व्यवस्था नहीं है, वहां के बच्चों को गर्मी में ही पढ़ाई करने को मजबूर होना पड़ता है। इसलिए सुबह को बिजली कटौती का समय सुबह पांच से छह या फिर छह से सात बजे तक किया जाए। इसके अलावा शाम में सवा तीन बजे से सवा पांच बजे तक लगने वाले कट का समय कम कर तीन बजे से चार बजे तक किया जाए। एक्सईएन ने सभासदों को मांग पर गौर करने का भरोसा दिलाया। ज्ञापन देने वालों में सभासदों में औसाफ सिद्दीकी, वाजिद मलिक, शाहिद हसन, सभासद पति शराफत मलिक, डा. असलम अली, रिजवान गौड़, वसीम मलिक, लियाकत आदि शामिल रहे।

गुरु शिवेश द्विवेदी ने कहा

शहर में फैशन शो ऑर्गेनाइज कराना कोई अश्लीलता का विषय नहीं

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, शहर के एक छोटे से गांव से उठकर संगीत जगत में अपना नाम रोशन कर रहे गुरु शिवेश द्विवेदी ने सतना शहर में होने जा रहे फैशन शो के विरोधियों को शो का विरोध न करने की अपील की है। गुरु शिवेश का कहना है कि फैशन शो आज के समय का सबसे ज्यादा प्रचलित और ट्रेंड में चलने वाला शो है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत आने वाला यह कार्यक्रम भी छोटे एवं बड़े दोनों स्तरों में करवाया जाता है। और इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता की शहर में ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करवाने से बच्चों एवं युवाओं में एक उत्साह जागृत होता है एवं फैशन से संबंधित चीजों को बड़े स्तर पर करने की एक उमंग पैदा होती है। परंतु शहर के कुछ विरोधियों द्वारा इसका विरोध किया जा रहा है जो की बिल्कुल गलत है। आपको बता दे कि शहर में 4 अगस्त को होने जा रहा फैशन शो आजकल काफी चर्चा का विषय बना हुआ है। शहर के कुछ राजनीतिक लोग एवं शहर के यूथ का ग्रुप भी इसके विरोध करने से अछूता नहीं रहा।

महेश तिवारी ने कहा

यूपी में लव जिहाद को लेकर पास बिल स्वागत के योग्य,सभी प्रदेश सरकारें करे अमल

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, योगी सरकार ने यूपी विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) विधेयक 2024 को विधानसभा में सोमवार को पेश कर दिया है. इसके अनुसार लव जिहाद जैसे अपराधों के दोषियों को ताउम्र जेल की सजा देने का प्रावधान है. इसके अलावा इसमें पहले से परिभाषित अपराधों में सजा दोगुनी करने का प्रावधान किया गया है. योगी सरकार के बिल का स्वागत करते हुए बजरंगदल के पूर्व विभाग संयोजक हिन्दू वादी नेता महेश तिवारी ने कहा निश्चित ऐसा कानून समाज के लिए लाभदायक है, हमारे समाज की अंतिम पंक्ति की बहनों को जिस तरह बहला फुसला कर धर्मांतरण करवाकर लव जिहाद की घटना को अंजाम दिया जाता है और बाद उनकी हत्या तक होती है इस कानून से ऐसे जघन्य अपराध में लगाम लगेगी, श्री तिवारी ने कहा 20 वर्षो से मैहर धार्मिक नगरी में लव जिहाद की कई घटनाएं सामने आई है हमने उन घटनाओं पर जब हस्ताक्षेप कर प्रशासन से कार्यवाही कि मांग की तब कार्यवाही तो होती थी लेकिन 3माह बाद आरोपी छूट उसी घटना को पुनः अंजाम देने में लग जाते थे लेकिन अगर ऐसे कानून में कार्यवाही हुई तो दुबारा लव जिहाद की घटना को अंजाम देने से पहले हजार बार सोचेंगे, महेश तिवारी ने देश और अन्य प्रदेश में भी ऐसे कानून लागू करने की मांग कि है ताकि देश में चल रहे लव जिहाद जैसा अपराध पूरी तरह समाप्त हो सके।

ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों में मिलावट पहचानने के लिए जन जागरूकता अभियान शुरू किया जाए

स्कूल एवं महाविद्यालयों में खाद्य सुरक्षा जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 का जिले में त्वरित एवं प्रभावी क्रियान्वयन पर्यवेक्षण निगरानी मूल्यांकन तथा नियामक प्रावधानों का पालन कराने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला स्तरीय सलाहकार समिति के अध्यक्ष सुधीर कुमार कोचर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय स्टेयरिंग समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में समिति के सभी अधिकारीगण एवं नामांकित सदस्यों की उपस्थिति में डी.ओ. खाद्य सुरक्षा प्रशासन राकेश अहिरवाल द्वारा बैठक का एजेण्डा बिंदुबार प्रस्तुत किया गया, जिस पर कलेक्टर कोचर द्वारा आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। कलेक्टर द्वारा खाद्य सुरक्षा अधिकारी को न्यायालय में न्याय निर्णयन अधिकारी/ अपर जिला मजिस्ट्रेट द्वारा निर्णय हेतु लंबित न्यायालयीन प्रकरणों को त्वरित गति से निर्णित करवाने की कार्यवाही करने के लिये निर्देशित किया गया। उन्होंने कहा सभी शासकीय विद्यालयों, महाविद्यालयों में छात्रों को खाद्य पदार्थों में मिलावट का पता लगाने एवं पोषक तत्वों के संबंध में जानकारी के प्रति जागरूक करने के उद्देश्यो से प्रशिक्षण एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का सत्र आयोजित किए जाएं। खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला द्वारा विगत माह तक की अप्राप्त रिपोर्ट के लिये पत्र वरिष्ठ कार्यालय को पुनः पत्र लिखा जाए । आंगनबाडी एवं मध्यान्ह भोजन, जिला चिकित्सालय, दीनदयाल अंत्योदय रसोई में मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता की जांच एवं निरीक्षण की निरंतर कार्यवाही एवं वर्षा ऋतु में होटल, रेस्टोरेंट, चाट फुल्की, नाश्ता दुकान में निर्मित एवं बिक रही खाद्य सामग्री की गुणवत्ता जांच, सघन जांच अभियान के रूप में करने के बैठक में निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा ईट राइट चैलेंज प्रतियोगिता फेसङ्क4 में सेफ भोग, क्लीन स्ट्रीट फुड हब, क्लीन वेजीटेबल मार्केट का ऑडिट शीघ्र कराने के साथ ब्लॉक स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों में मिलावट पहचानने के लिए जन जागरूकता अभियान शुरू किया जाए। कलेक्टर ने कहा वर्षा ऋतु में खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने एवं खाद्य जनित रोगों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाएं एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों को आयोजित कर गृहणियों के लिए खाद्य पदार्थों में मिलावट की पहचान करने के लिये आसान परीक्षण की जानकारी हेतु कार्यशाला आयोजित की जाए। जिला स्तरीय सलाहकार समिति में कैट संघ अध्यक्ष, किराना संघ अध्यक्ष, दाल मिल अध्यक्ष, तेल मिल एसोसिएशन, थोक फल एवं सब्जी विक्रेता संघ के प्रतिनिधियों को विशेष आमंत्रित सदस्यों के रूप में बैठक में आमंत्रित करने के निर्देश दिए गए।

111 सामाजिक संगठनों द्वारा मीसाबंदी सुभाष श्रीवास्तव के 68वें जन्मदिन पर आयोजित किया गया 68 कलाकारों का सम्मान समारोह

प्रत्येक कला एक साधना है और हर साधक सम्मान का हक़दार- नरेंद्र प्रजापती

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ

रीवा, 30 जुलाई! 68 वर्ष के अपने जीवन में 51 वर्ष समूचे समाज को समर्पित करने वाले विंध्य क्षेत्र के प्रख्यात समाजसेवी, विचारक, पत्रकार, कवि, मीसाबंदी एवं प्रखर वक्ता सुभाष श्रीवास्तव के 68वें जन्मदिवस पर, कला के क्षेत्र में अपना अतुलनीय योगदान देने वाले कलाकारों के सम्मान हेतु शहर के सर्व सामाजिक संगठन अंतर्गत 111 सामाजिक संगठनों द्वारा 68 कलाकारों का सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया! जिसके मुख्य अतिथि मनगंवा विधायक नरेंद्र प्रजापति रहे! जबकि अध्यक्षता अवधेश प्रताप सिंह विश्विद्यालय के कुलपति डॉ राजकुमार आचार्य ने की! अति विशिष्ट अतिथि के रूप में पुलिस महानिरीक्षक रीवा महेन्द्र सिंह सिकरवार उपस्थित रहे! जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी सरदार प्रहलाद सिंह, वरिष्ठ राजनेता डॉ मुजीब खान, वरिष्ठ समाजसेवी सरदार आशा सिंह भाटिया, युवा नेता संजय द्विवेदी, जिला पंचायत सदस्य लालमणि त्रिपाठी, सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ अक्षय श्रीवास्तव, वरिष्ठ राजनेता सुबोध पांडेय, वार्ड 7 के निवर्तमान पार्षद शिवदत्त पांडेय, वार्ड 12 के निवर्तमान पार्षद विनोद शर्मा, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ राकेश पटेल, वरिष्ठ राजनेता शिव प्रसाद प्रधान एवं वरिष्ठ राजनेता गोविंद तिवारी उपस्थित रहे! कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रवलन के साथ हुआ! इसके बाद आयोजन समिति के सदस्यों एवं मंचासीन अतिथियों द्वारा वरिष्ठ समाजसेवी सुभाष श्रीवास्तव को शॉल- श्रीफल एवं सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया! इसके बाद आयोजकों द्वारा सभी मंचासीन अतिथियों का स्वागत किया गया! तत्पश्चात कला के क्षेत्र में अपना महनीय योगदान देने वाले 68 कलाकारों को सम्मानित किया गया! साथ ही विभिन्न नृत्य एवं संगीत ग्रुप्स द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी गयी! कलाकार सम्मान समारोह कार्यक्रम जिन 111 संस्थाओं द्वारा मिल कर आयोजित किया गया उनमें प्रमुख रूप से हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन, अभ्युदय उपकार फाउंडेश, बेनिसन हेल्पिंग वेलफेयर सोसाइटी, शहीद भगत सिंह सेवा समिति, कल्पना कल्याण समिति, युवा एकता परिषद, सर्वोदय विंध्य विकास समिति, ज्ञानोदय जनजागृति समिति, स्व. अरविंद शर्मा कैंसर वेलफेयर सोसाइटी, सेवा संकल्प रीवा, रमा शिव बहुउद्देशीय विकास समिति, सृजन डेवलपमेंट फाउंडेशन, टीम अविराज, जय महाकाल सेवा संघ, रिएक्ट स्मार्ट सेवा समिति, माता का दरबार, रेवांचल बस स्टैंड व्यापारी संघ, भारत रक्षा मंच, स्व. भगवतशरण माथुर फैंस क्लब, मां जानकी सेवा समिति, जिला ओलंपिक संघ रीवा, चित्रगुप्त क्लब रीवा, युवा एकता कल्याण संघ, मध्य प्रदेश छात्र शक्ति संगठन, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, छत्रपति शिवाजी सेना, नमो राघवाय सेवा समिति, आर्ट ऑफ लिविंग, शहर दिशा सेवा समिति, गायत्री शक्तिपीठ परिवार, युवा समाज सेवा संघ, सृजन नवचेतना फाउंडेशन, मुस्लिम समाज कल्याण संघ, संदेश वेलफेयर सोसाइटी, श्री सूर्यमुखी कपि संकटमोचन सेवा समिति, साहिल जन चेतना संस्थान समिति, बाबा जयगुरुदेव संगत रीवा, मानवाधिकार संगठन, नीरज बाल सेवा संस्थान, जन कल्याण सेवा एकता बहुउद्देशीय समिति, भिंसार फाउंडेशन, उम्मत-ए-मोहम्मदिया कमेटी, सुशील सीए कॉमर्स एकेडमी, यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया, प्रयास रक्तदान सेवा संगठन, विंध्य कवि दरबार, ऑल इंडिया सिक्स यार्ड वीवर्स वेलफेयर एसोसिएशन, भारत माता ग्राम स्वराज समिति, रीजनल एनवायरमेंटल एंड ह्यूमैनिटी फाउंडेशन, सरदार पटेल क्लब सतना, उन्नति साहित्यिक सामाजिक संस्था जबलपुर, बजरंग सेना, नारी उत्सव लाइफ़स्टाइल, अन्नशेष फाउंडेशन, ग्राम प्रस्फुटन समिति, जेडी फाउंडेशन, तथागत अंबेडकर सेवा संस्थान, अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा, भारतीय सुदर्शन समाज महासंघ, पेंचक सिलेट एसोसिएशन, विंध्य स्वाभिमान सभा, लब्बेक यूथ फ़ोर्स आतंकवाद व भ्रष्टाचार विरोधी संगठन रीवा, ग्रीन एनवायरमेंट सोसायटी, ए. जे. रॉक्स एकेडमी, जयवंती शिक्षा समिति, श्रुति कीर्ति समिति, मम साईं समिति, रीवा व्यापारी संघ, प्रकृति संरक्षण एवं शोध संस्थान समिति, सृजन डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन, जन कल्याण मंच, ह्यूमैनिटी ऑर्गेनाइजेशन, वर्ल्ड ट्रेडिशनल शोटोकन कराटे फेडरेशन, विंध्य बधिर संगठन, बाल कल्याण समिति, संघमित्रा कॉलेज रीवा, एक्शनएड एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया, टीच टू ईच, महाराष्ट्र मंडल, अर्जुन लोक कल्याण शिक्षा समिति अमवा, भारतीय सर्व सेवा संगठन, ग्रामीण बाल प्रतिभा मंच, हिंदू क्षत्रिय वाहिनी संगठन, ग्राम सुधार समिति, ओमनाद म्यूजिक फाउंडेशन, श्रीराम हर्षण संगीत महाविद्यालय, वागेश्वरी म्यूजिकल एकेडमी, युवा साहू संगठन, उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत महाविद्यालय, स्वरा म्यूजिकल ग्रुप, एवरग्रीन म्यूजिकल इवेंट्स, सुर श्रृंगार संगीत अकादमी, डिसेंट डांस ग्रुप, वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन, आदित्य राज गोरक्षा एवं संरक्षण समिति, वेंकट रोड व्यापारी संघ, रमा म्यूजिकल ग्रुप, हिंदू उत्सव समिति, जन आलय शिक्षण प्रशिक्षण समिति, हार्ट फ्रेशनेश योग केंद्र, चैतन्य प्रवाह वेलफेयर सोसायटी, अभिशौर ग्रुप, हिमालय डांस ग्रुप, स्टाइलिश डांस ग्रुप, विंध्यावुड ग्रुप, वैश्य महासभा, रजक वेंचर्स सीधी, विभू आदर्श मिश्रा, अभय कश्यप, आलोक सिंह, अविनाश तिवारी, अलंकृत पांडेय, पूजा तिवारी, रितिका द्विवेदी, उमेश लखन, कामता माखन, अन्नपूर्णा द्विवेदी, अमृता सिंह, मनीष पटेल, दीपक पटेल, बादल सिंह बघेल, जावेद खान, राज नारायण तिवारी, मुकुल सोनी, सावन सोनी, संदीप जडिया, रामचंद्र वर्मा, शार्वी पांडेय, हिमांशु श्रीवास्तव, राज तिवारी भोला, मनोज मिश्रा, सुधीर सिंह, अनवर मोहम्मद सिद्दीकी, चंद्रशेखर पांडेय, राज कपूर शुक्ला, अर्पित मिश्रा, देवेश शोत्रिय, आलोक शुक्ला, विशाल सोंधिया, अनामिका त्रिपाठी, राजेंद्र सक्सेना, अभिजीत ताम्रकार, सुमन सिंह, विकास वर्मा, सदा प्रसन्न व्यास, राजेश पटेल, सुखेन्द्र पटेल, तारिक़ कुरैशी, शिवानी भारती रंगोली, असलम रजा, आफताब आलम, तनिष्क शुक्ला, अपूर्व वाजपेई, अर्चना सिंह, आशीष भट्ट, बृजेश शास्त्री, अभिषेक त्रिपाठी, रेखा सिंह बघेल, स्मृति सिंह, विभा सिंह, रामस्वरूप साकेत, जफर खान, स्पर्श दुबे, दीक्षा द्विवेदी, दीक्षा शुक्ला, किशन तिवारी, शुभम तिवारी, ऋषभ पांडेय, संतोष तिवारी, संदीप शुक्ला, शिवम मिश्रा, प्रतिभा साकेत, बृजेश शुक्ला, सौरभ द्विवेदी, निधि मिश्रा, रवि मिश्रा, अमित सोनी, शैलेंद्र द्विवेदी, नवीन निगम, इशिता मिश्रा, कुणाल भदोरिया, संजय सिंह, हीरेंद्र सिंह, शिवानी कश्यप, सौरभ पांडेय जी, शेख जलालुद्दीन खान, गणेश प्रसाद मिश्रा, अतिशि तिवारी, बृजेश तिवारी, विनोद तिवारी, दक्ष चुंगवानी, शिवा दादा एवं प्रगति मिश्रा शामिल है! इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले विशिष्ट लोगों को सम्मानित भी किया गया उनमें प्रमुख रूप से डॉ प्रतिभा पटेल जबलपुर, युवा समाजसेवी अविराज, जन अभियान परिषद रीवा के विकासखंड समन्वयक अमित अवस्थी, समाजसेवी श्रीनिवास पटेल, सुभाष बाबू पांडेय, डॉ आशुतोष पटेल, आचार्य कृष्णकान्त द्विवेदी, रविकरण सिंह, अभिषेक सिंह एवं मानवेन्द्र सिंह शामिल है! कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनगंवा विधायक नरेंद्र प्रजापति ने कहा कि- कला का कोई भी क्षेत्र हो चाहे दृश्य कलाओं में वास्तुकला, चित्रकला और फिल्म निर्माण हो या प्रदर्शन कलाओं में नृत्य, संगीत व रंगमंच! इसके अलावा भी अन्य कलाओं जैसे चित्रकार, मूर्तीकार, सुपाड़ी के खिलौने बनाने वाले शिल्पकार, ये सब अपने आप में विशिष्ट प्रतिभा रखते है और ये गुण हर किसी में पाया भी नहीं जाता! कोई भी कला ईश्वर की कृपा और साधना के बगैर संभव नही होती! इसीलिए हम सब आज इन सभी कलाकारों की कला को प्रणाम करते है कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अवधेश प्रताप सिंह विश्विद्यालय के कुलपति डॉ राजकुमार आचार्य ने कहा कि- सुभाष श्रीवास्तव जी का संपूर्ण व्यक्तित्व लोगों के लिए एक प्रेरणा का स्रोत है! संघर्षों के बावजूद जिन्होंने अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया, ऐसी जीवट लोग बिरले ही मिलते है जो स्वयं का हित नहीं वरन समाज की फिक्र करते है, मैं इनके शतायु होने की कामना करता हूँ कार्यक्रम के अति विशिष्ट अतिथि पुलिस महानिरीक्षक रीवा महेन्द्र सिंह सिकरवार ने कहा कि- कलाकार समाज की नींव का आधार स्तम्भ होता है! स्वस्थ समाज के लिए कला क्षेत्र का निरंतर पुष्पित एवं पल्लिवत होना आवश्यक है कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सरदार प्रहलाद सिंह ने कहा कि- जो समाजसेवी समाज के लिए जीता है, नि:स्वार्थ भाव से इंसानियत और मानवता की सेवा करता है उसके व्यक्तित्व और कृतित्व का मूल्यांकन करना समाज का नैतिक दायित्व है, मैं इस आयोजन के लिए सर्व सामाजिक संगठन को साधुवाद देता हूँ वरिष्ठ राजनेता सुबोध पांडेय ने कहा कि- रीवा के सभी सामाजिक संगठन जिन्होंने ये कार्यक्रम किया है वो बधाई के पात्र है! ये सभी संस्थाए स्वयं विभिन्न सामाजिक कार्यों में सतत सक्रिय रह कर समाज में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है

वरिष्ठ नेता शिवप्रसाद प्रधान ने कहा कि- जहां एक ओर समाज को जाति- धर्म- मजहब में बांटने का काम किया जा रहा है वहीं दूसरी ओर सुभाष भाई ने शहर में सांप्रदायिक सद्भाव, आपसी प्रेम और भाईचारे को बढ़ाने के लिए जो काम किये है वो वास्तव में एक मिसाल है युवा नेता संजय द्विवेदी ने कहा कि ये हमारा सौभाग्य है कि हमें विंध्य के इन उत्कृष्ट कलाकारों को सम्मानित करने का गौरव प्राप्त हो रहा है! मैं सभी को हार्दिक शुभकामनायें देता हूँ

वरिष्ठ मीसाबंदी सुभाष श्रीवास्तव ने कहा कि- सर्व सामाजिक संगठन ने ये आयोजन करके कलाकारों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का जो कार्य किया है वो सराहनीय एवं प्रशंसनीय है! 68 कलाकारों को सम्मानित किया जाना इस बात का प्रतीक है कि नि:स्वार्थ भाव से कला के लिए कार्य करने वाले लोगों मूल्यांकन समाज अवश्य करता है! कार्यक्रम में कवि राम लखन केवट जलेश ने मीसाबंदी सुभाष श्रीवास्तव को काव्यात्मक बधाई इन शब्दों में दी-

मन वाणी से बांट रहे हो तरह तरह की मधुर मिठास
प्रेम बधाई अभिनंदन ले जन्मदिन की सुखद सुभाष
सबके गम की दर्द निवारक दवा शहर में तुम हो ख़ास
संघर्षों से जीवित हो तुम बना लिए दिल बाईपास

कार्यक्रम में स्वागत भाषण ऑल इंडिया सिक्स यार्ड वीवर्स वेलफेयर एसोसिएशन की अध्यक्ष चेतना मिश्रा एवं आभार प्रदर्शन युवा एकता कल्याण संघ के अध्यक्ष राजराखन पटेल ने किया! कार्यक्रम में जिन महत्वपूर्ण लोगों की गरिमामय उपस्थिति रही उनमें प्रमुख रूप से पत्रकार मुकुंद प्रसाद मिश्रा, रमेन्द्र पांडेय, नरेंद्र बुधोलिया हरि प्रकाश सिंह राजा, संतोष नामदेव, प्रमोद मिश्रा गुड्डू भईया, डॉ राज किशोर कुशवाहा, शेषमणि शुक्ला, नरेश गुप्ता, विनोद भट्ट, राजेश मिश्रा, अनिल कुमार निगम, मंसुख लाल वर्मा, आशीष कुमार निगम, जयप्रकाश शर्मा, ऋषिकेश तिवारी, नत्थू लाल सेन, मनोज नामदेव, अर्जुन सिंह अमवा, सुभाष कुशवाहा सांव, तरुण श्रीवास्तव, अमर पांडेय, प्रदीप पटेल, शोभनाथ गुप्ता, सीमा श्रीवास्तव, कल्पना श्रीवास्तव, रफीक रिवानी, मोहम्मद फारूक खान, अनिलेश निगम, सुनील निगम, रोहित पाठक, वर्धमान निगम, अनंत माधव सिंह, अनीता निगम, नीरा सिंह, ज्योत्सना श्रीवास्तव, शालिनी निगम, प्राची शुक्ला, सीमा श्रीवास्तव एवं अन्वेशा निगम आदि सहित सैकड़ो लोग शामिल है!

शासकीय एकीकृत हाई स्कूल लक्ष्मण कुटी में खाद्य सुरक्षा

प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम किया गया आयोजित

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ

दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत डी.ओ. खाद्य सुरक्षा प्रशासन राकेश अहिरवाल के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधवी बुधौलिया ने निरीक्षण कार्यवाही करते हुए जिले के ग्राम लक्ष्मण कुटी स्थित शासकीय एकीकृत हाई स्कूल का निरीक्षण किया। इस दौरान मध्यान्ह भोजन के तहत वितरित किए गए तैयार आलू, छोला, टमाटर की सब्जी, खीर एवं पुड़ी की गुणवत्ता की जांच मोबाइल फूड टेस्टिंग लैबोरेटरी की सहायता से की गई। भोजन वितरित करने वाले स्व सहायता समूह के संचालक को गुणवत्ता युक्त शुद्ध एवं सुरक्षित भोजन का निर्माण एवं वितरण करने के निर्देश दिए गए। मौके पर मोबाइल फूड टेस्टिंग लेबोरेटरी के केमिस्ट सौरभ भारद्वाज द्वारा रसोईयों, समूह संचालकों को खाद्य सुरक्षा संबंधित प्रशिक्षण प्रदान करके जागरूक किया गया। मोबाइल फूड टेस्टिंग लेबोरेटरी द्वारा तैयार भोजन, मसालों, दूध एवं दुग्ध पदार्थों सहित अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच की गई। मोबाइल फूड टेस्टिंग लैबोरेटरी के माध्यम से स्कूल के समस्त छात्र छात्राओं को रसायनिक परीक्षण से मिलावट के प्रति जागरूक भी किया गया।

आईये रक्तदान के इस महाअभियान को हम

सभी मिलकर सफल बनायें : कलेक्टर

आज प्रातः 10 बजे से लगेगा कलेक्टर कार्यालय में रक्तदान शिविर

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ

दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने जिले के नागरिकों से कहा रक्त हमारी जिंदगी का आधार है। अनेक मरीज जिला अस्पताल में या अन्य अस्पतालों में आते हैं, उन्हें इलाज के दौरान खून की आवश्यकता होती है। कई बार हमारे पास खून उपलब्ध नहीं होता है, तो उन्हें जबलपुर, सागर या भोपाल रिफर करना पड़ता है। इसलिए हम अधिक से अधिक रक्तदान को प्रोत्साहित करें । जो रक्त ब्लड बैंक में उपलब्ध है उसका सही डिस्ट्रीब्यूशन हो ताकि हर व्यक्ति को जिसे रक्त की आवश्यकता है, उसे समय पर रक्त मिल सके। कलेक्टर ने कहा ऐसे रक्तदाता जो लगातार रक्तदान करते हैं उनकी सूची बनाई जायेगी, इसमें कई सामाजिक संगठन हमारा सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा हर महीने एक मेगा रक्तदान शिविर लगाया जायेगा। इस श्रृंखला में 31 जुलाई को पहला रक्तदान शिविर कलेक्टर कार्यालय के ग्राउण्ड फ्लोर में जनसुनवाई वाले कक्ष में प्रात: 10 बजे से लगाया जा रहा है, इसमें अधिकारी-कर्मचारियों के अलावा आमजन भी रक्तदान करेंगे। उन्होंने दमोह के नागरिकों से आग्रह करते हुए कहा अधिक से अधिक संख्या में इस शिविर में आए यहां पर दो प्रकार की यूनिट लगेंगी, एक मोबाइल यूनिट लगी रहेगी जो कि एक वेन है जिसमें एक समय में दो रक्तदाता रक्तदान कर सकते हैं। इसके अलावा कलेक्टर कार्यालय के अंदर जनसुनवाई कक्ष में ग्राउंड फ्लोर पर 4 से 5 बेड भी लगाये गए, उन बेडों पर भी रक्तदान की सुविधा उपलब्ध होगी।

राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया ने अपने 83 वें जन्म दिवस पर रोपे 101 पौधे

एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत ग्राम सकोर में वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ

दमोह, संपूर्ण जिले में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया ने अपने 82 वर्ष पूर्ण कर 83 वें जन्मदिन पर वन विभाग और जन अभियान परिषद दमोह से संबद्ध संस्था छात्र क्रांति दल एवं छात्र सर्व कल्याण समिति जिला दमोह के सहयोग से ग्राम सकोर स्थित भगवान भोलेनाथ के परिसर में 101 पौधे रोपित कर प्रकृति संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लिया। इस अवसर पर आयोग अध्यक्ष डॉ. कुसमरिया ने कहा कि प्रकृति से हमें जीवन दायनी ऑक्सीजन मिलती है, हमें अपनी आने वाली पीढियो के लिए इसे और बेहतर बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी से आग्रह करते हुये कहा कि अपने जन्मदिन और अनेक विशेष और शुभ अवसरों पर पौधारोपण जरूर करें। हटा विधायक उमादेवी खटीक ने कहा हम सभी के मार्गदर्शक बाबा जी के जन्मदिन पर आज हम सभी ने मिलकर डुएक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत वृक्षारोपण किया है। पर्यावरण का संरक्षण और संवर्धन हम सभी को मिलकर करना पड़ेगा जो की बहुत जरूरी है।

कलेक्टर के हस्तक्षेप के बाद हुई एफआईआर 5 साल से गिरवी रखी चांदी के लिए भटकते रहे थे गरीब मजदूर आदिवासी, एट्रोसिटी एक्ट के तहत मामला दर्ज

अलीराजपुर । जिले के आम्बुआ थाना अंतर्गत अगोनी गांव के निवासी आदिवासी दम्पति शायरी पति गुलजिया जाती भील द्वारा आम्बुआ के साहूकार प्रशांत वाणी को 5 साल पहले 3ग्रह चांदी जिसमे दो तागली,2 हार, दो हटके गिरवी रखकर 60 हजार रूपये खाद बीज के लिए निकालना बताया जिसके बाद उन्होंने गुजरात मजदूरी जा जाकर अभी तक एक लाख साहठ हजार 160000 रूपये जमा कर देना बताया किन्तु आज दिनांक तक चांदी वापस नही की और जब भी वो चांदी वापसी के लिए जाते है तो प्रशांत वाणी बहाने बनाकर अगली तारीख दे देकर 4 सालो से टाल रहा था जिससे पीड़ित आदिवासी परेशान थे। ये बात लेकर पिछले महीने पीड़ित परिवार पुलिस थाने आम्बुआ भी पहुंचा लेकिन सबूत के अभाव मे कार्यवाही टाल दी गयी तो पीड़ित आदिवासी गरीब मजदूर अनपढ़ परिवार पुलिस अधीक्षक के पास जिला मुख्यालय गुहार लेकर पहुंचा लेकिन पुलिस अधीक्षक की अनुपस्थिति मे आवेदन जावक मे देकर चले गए काफी समय बीतने पर कार्यवाही नही हुई वही प्रशांत वाणी भी अपनी पहुंच पकड़ की धौस देकर पीड़ित परिवार को धमकाता रहा थके हारे शायरी और उसका पति हिम्मत हार चुके थे एक दिन गांव के और टेमाची सरपंच नानसिंह कनेश से मिलकर अपनी परेशानी बताई तो उन्होंने पीड़ित परिवार को लेकर अलीराजपुर पहुंचकर सामाजिक कार्यकर्त्ता नितेश अलावा से मिले जहा से उन्होंने एक बार और प्रशांत वाणी को मौका देने और फोन लगाने की बात कही जिसके बाद दूसरे दिन प्रशांत वाणी ने मिलने बुलाया जहा वो कहने लगा की मेरा लोन चल रहा है और पैसा अभी नही है तो मे फरवरी तक उसका काम कर दूंगा अन्यथा जो करना है करो और ये कहकर एक सादे कागज़ पर लिखकर उसके बड़े भाई की उपस्थिति मे हस्ताक्षर सहित लिखकर दिया की वो फ़रवरी तक उसे 20,000 और लेकर चांदी वापस करेगा जबकी वो 60,000 के बदले पहले ही 160,000 भर चुके थे।

तहसील में आयोजित बैठक में जनपद उपाध्यक्ष किशोर

पालीवाल ने आवेश में बोले शब्दों पर जताया खेद

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, विगत 26 जुलाई को जनपद पंचायत उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल द्वारा बोले गए शब्दों शब्दों से आहत पटवारी संघ,आर आई व तहसीलदार महोदय के द्वारा 30 जुलाई को अतिआवश्यक बैठक का आयोजन तहसील कार्यालय में करवाया गया,जिसमें तहसीलदार सजंय बारासकर, कनकी व लालबर्रा के आर आई व पटवारी संघ तथा जनपद पंचायत उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल, जाहिद खान जनपद पंचायत सदस्य, सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित हुए। उक्त आयोजित बैठक में तहसीलदार महोदय,आर आई पटवारी संघ व कर्मचारियों में जनपद पंचायत उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल के प्रति आक्रोश नजर आ रहा था,उनका कहना यह था कि हम लोग फिल्ड में रहकर अपनी सेवा इमानदारी से देते हैं और इस तरह से हमें कोई कहेगा तो हम किस तरह से काम करेंगे तथा एक जनप्रतिनिधि को इस तरह के अशोभनीय शब्द शोभा नहीं देते हैं फिर आपसी बातचीत प्रारंभ हुई तत्पश्चात जनपद पंचायत उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल के द्वारा पुर्व में कहे गए शब्दों पर खेद प्रकट किये गये, फिर मामला शांत हो गया। वहीं हम आपको अवगत करा देवें कि 26 जुलाई को जनपद पंचायत सभागार में एसडीएम वारासिवनी ने पटवारी संघ, पंचायत सचिव तथा आर आई व तहसीलदार महोदय व अन्य विभागों के कर्मचारियों कि बैठक ली थी बैठक समाप्त होने पश्चात जनपद पंचायत उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल द्वारा तहसीलदार को कान के नीचे तमाचा मारुंगा पटवारियों को

औकात में रहने कि बात कही थी जिससे पटवारी संघ व राजस्व निरीक्षक ने थाना लालबर्रा में प्रकरण दर्ज करने हेतु आवेदन दिया था फिर संघ ने इसकी शिकायत कलेक्टर से तक कर दि थी जिसका खुब बवाल मचा था फिर आनन फानन में जनपद पंचायत उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल ने अपने जनपद सदस्य साथियों व जनप्रतिनिधियों को एकजुट कर 29जुलाई को लालबर्रा के रेस्ट हाउस में कुछ मिडिया कर्मियों को बुलाकर पत्रकारवार्ता आयोजित कर खेद प्रकट करते हुए अपने शब्दों को वापस लिए थे, लेकिन पटवारी संघ आर आई व तहसीलदार महोदय सन्तुष्ट नहीं थे वे चाहते थे कि जो भी बातें हो आमने-सामने हो जिस पर वे लोग मान गये है तथा अब आगे कोई भी कार्यवाही नहीं चाहते हैं।

इनका कहना है

26 जुलाई को जनपद कार्यालय में एसडीएम साहब द्वारा पटवारी, आर आई कि संयुक्त बैठक ली गई थी बैठक समाप्त होने के बाद एक भूमि के संबंध में जनपद उपाध्यक्ष के द्वारा हमसे सवाल जवाब किया गया था उसी दौरान जनपद पंचायत उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल द्वारा कहा गया कि सभी पटवारी तुम लोग अपनी औकात में रहो नहीं तो मैं तुम्हारे तहसीलदार को भी तुम्हारे तहसील में आकर मारुंगा इस प्रकार की अभद्र भाषा का उपयोग किया गया था जिससे पटवारी संघ द्वारा ज्ञापन दिया गया दंडात्मक कार्रवाई करने के लिए थाने में दिया हुआ था और तहसीलदार संघ ने भी इसका ज्ञापन दिया था जनपद पंचायत उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल के द्वारा प्रेस वार्ता के दौरान क्षमा माफी मांगी गई कि मेरे द्वारा जो बोला गया कि मैं अपने शब्दों को वापस लेता हूं इससे हमारे जो आत्मसम्मान को ठेस पहुंची थी वह पुरी नहीं हुई थी आज वह स्वयं आये तथा खेद प्रकट करें सभी पटवारियों कर्मचारियों के सामने माफी मांगी गई चूंकि हमारे संघ ने भी प्रदेश स्तर पर ज्ञापन पत्र सौंपे हैं हम अपने कार्यकारणीं में बतायेंगे वहां जैसे भी दिशा निर्देश मिलें पटवारी संघ भी हमारा ही है तथा हमारी अपेक्षा यह रहेंगी कि इस तरह से टकराव ना हो जनप्रतिनिधियों के साथ में, जनप्रतिनिधियों के द्वारा शासकीय कर्मचारियों को सहयोग मिलना चाहिए।

संजय बारसकर तहसीलदार लालबर्रा

चार दिन पहले जो घटनाक्रम हुआ था किशोर पालीवाल के द्वारा जो बोला गया था उसके संबंध में उन्होंने पहले मीडिया से, मीडिया के सामने माफी मांगी थी अपनी गलतियां स्वीकार की थी आज हम लोगों ने तहसीलदार साहब,आर आई साहब व समस्त परिवार के बीच में उन्होंने अपनी गलतियों को स्वीकार किया और सीमांकन के संबंध में उन्होंने सार्वजनिक बयान दिया था की 2017 का सीमांकन का कोई आवेदन था जानकारी अनुसार अभी तक के उसी आवेदन का कोई आवेदन पेंडिंग नहीं है तो ऐसे गलत बयान बाजी नहीं देना चाहिए उन्होंने अब अपनी गलती स्वीकार कर ली है इसलिए अब हम आगे कोई कार्यवाही नहीं चाहते एक तरफ आप जनप्रतिनिधि हैं हम सब मिलकर काम करते हैं आगे हम जनप्रतिनिधियों से यही अपेक्षा करेंगे की जो भी कुछ बात आती है तो उसकी पूर्ण रूप से जानकारी ले लें उसके बाद ही बयान दे शब्दों को अच्छी तरह से बोले।

किसान ने बीच सड़क पर फैलाया अपना बीज

वन विभाग पर लगाये कई आरोप

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ
शिवपुरी, शिवपुरी में कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित जनसुनवाई में आज एक किसान ट्रैक्टर से परिवार के साथ पहुंचा। वह खेत में बुआई के लिए रखी मूंगफली के बीज को बोरी में भरकर लाया और वन विभाग के अधिकारियों पर परेशान करने के आरोप लगाते हुए सारे बीज बीच सड़क पर फैला दिये कुछ दिन पहले भी यही किसान कलेक्ट्रेट परिसर में मूंगफली के बीज को फैला चुका हैं। उस वक्त किसान को एडीएम सहित तहसीलदार ने आश्वासन दिया था। पिछोर अनुविभाग के ऊमरीकलां गांव के रहने वाले जगत सिंह लोधी ने बताया कि उसकी 14 बीघा जमीन फॉरेस्ट की जमीन से लगी हुई है, जिसका पिछले साल सीमांकन भी कराया था, लेकिन उसकी जमीन का रास्ता फॉरेस्ट की

जमीन से होकर जाता है। इसके अतिरिक्त उसकी जमीन तक पहुंचने के लिए एक रास्ता ओर भी हैं। लेकिन वन भूमि के साथ रेंजर ने जमीन पर जाने वाले रास्ते पर भी मूंगफली की फसल की बुआई करवा दी है। जिससे वह अपने खेत पर मूंगफली की बुबाई करने तक नहीं पहुंच पा रहा हूं।जिससे बहुत परेशान हूँ और मुझे ऐसा कदम प्रशासन से मदद के लिए उठाना पड़ रहा हैं।

कलेक्टर न्यायालय द्वारा एक

प्रकरण में दिया गया निर्णय

अवैध रूप से निजी खाते में दर्ज हुई भूमि को पुनः माफी पीर स्थान मद में दर्ज करने के आदेश

भगवान दास बेरागी । सिटी चीफ
शाजापुर। कलेक्टर न्यायालय द्वारा एक प्रकरण में निर्णय देते हुए माफी से निजी क्षेत्र में दर्ज हुई भूमि को पुनः माफी मुल्ला शाह दरगाह पुख्ता स्थित नगर शाजापुर पीर स्थान मद में दर्ज करने के आदेश तहसीलदार को दिए हैं। कस्बा शाजापुर की माफी भूमि से जुड़े प्रकरण में कलेक्टर शाजापुर ऋजु बाफना ने तहसीलदार शाजापुर से अनुविभागीय अधिकारी शाजापुर के माध्यम से जांच प्रतिवेदन लेकर शासकीय माफी भूमि सर्वे क्रमांक 510, 511, 512, 513, 514, 516, 517, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 528, 530, 531 की भूमि माफी से निजी किए जाने की कार्रवाई को त्रुटिपूर्ण पाते हुए मध्यप्रदेश भू राजस्व संहिता की धारा 115 के तहत पूर्ववत माफी मुल्ला शाह दरगाह पुख्ता स्थित नगर शाजापुर पीर स्थान मद में इन्द्राज दुरूस्त करने के आदेश तहसीलदार शाजापुर को दिए हैं। उल्लेखनीय है कि प्रकरण क्रमांक 09-अ(6)अ दर्ज कर अनावेदक इकबाल पिता अब्दुल रफीक, आदिल पिता अब्दुल रफीक, अरशद पिता अब्दुल रफीक, बिलिकिसबानो अब्दुल रफीक, अब्दुल शफीक पिता अब्दुल अलीम, अब्दुल फरीद पिता अब्दुल अलीम, अब्दुल मजीद पिता अब्दुल अलीम, अब्दुल अतीक पिता अब्दुल अलीम, अब्दुल अलीम एवं वकीलून बी पिता अब्दुल अलीम, कदिरून बी पिता अब्दुल अलीम, मुमताज बी पिता अब्दुल अलीम समस्त निवासी शाजापुर को सूचना पत्र जारी कर दस्तावेज आहूत किए गए थे, किंतु अनावेदक यह सिद्ध करने में विफल रहे की वे किसी वैध पारित आदेश के अनुक्रम में भूमि पर स्वत्व प्राप्त किए हुए हैं। माफी सम्पत्ति शासकीय होकर किसी भी रूप में हस्तांतरित एवं अंतरित नहीं की जा सकती है। ऐसे में जिला प्रशासन द्वारा भूमि को सम्वत 1982 अर्थात वर्ष 1925-26 के राजस्व रिकार्ड अनुसार माफी मुल्ला शाह दरगाह स्थित नगर शाजापुर माफी पीर स्थान दर्ज करने के आदेश पारित कर रिकार्ड शुद्ध कर प्रविष्टि दर्ज करने का आदेश दिए हैं।

यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने हेतु

यातायात पुलिस के प्रयास लगातार जारी

यातायात पुलिस द्वारा भारी वाहनों के नो एंट्री में प्रवेश करने पर कार्यवाही

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ
शिवपुरी, शिवपुरी यातायात पुलिस द्वारा प्रतिबंधित क्षेत्र में भारी वाहनों के प्रवेश को रोकने के लिए लगातार कार्यवाही की जा रही है, शहर के मुख्य मार्ग के अलावा अन्य छोटे मार्गों पर भी भारी वाहनों का प्रवेश निषेध है इस प्रकार के सूचना बोर्ड लगाए गए हैं,इसके बावजूद भी जो भारी वाहन शहर में प्रवेश कर यातायात व्यवस्था को बिगाड रहे हैं ऐसे 4 भारी वाहनों पर यातायात पुलिस द्वारा कार्यवाही कर 20000 रुपये का जुर्माना लगाया गया इसके अतिरिक्त शहर में क्षमता से अधिक सवारियां लेकर चलने वाले ऑटो, टेंपो चालकों के विरुद्ध भी चालानी कार्यवाही कर 3 ऑटो रिक्शा के चालान किए

गए,... और ऑटो चालकों को समझाइश भी दी गई कि क्षमता से अधिक सावरिया बिठाके वाहन ना चलाए ,, इससे दुर्घटनाओं की सम्भावना बनी रहती है, और सभी ऑटो चालक यातायात के नियमों का पालन करे और दूसरों को भी प्रोत्साहित करे..

गरोठ-सगोरिया रोड पर पवन चक्की के सुरक्षा गार्ड की पत्थरों से कुचलकर हत्या, परिवार में पसरा मातम

मंदसौर। ,जिले के गरोठ-सगोरिया रोड पर मानपुरा नारिया के पास पवन चक्की से आज (बुधवार) अल सुबह केबल चोरी की नीयत से पहुंचे बदमाशों ने सुरक्षा गार्ड की पत्थरों से कुचल कर हत्या कर दी। खास बात यह है कि बदमाशों को देख सिक्योरिटी गार्ड ने अपने फील्ड मैनेजर को इसकी सूचना दी। जब फील्ड ने मैनेजर पुलिस को कॉल किया तो उसे अपशब्द सुनने को मिले। जानकारी के अनुसार, मानपुरा नारियां गांव के पास बने विंड मिल (पवन चक्की) पर सुबह 3 से 4 बजे एक पिकअप लेकर कुछ बदमाश चोरी की नीयत से पहुंचे। यहां पवन चक्की पर तैनात सुरक्षा कर्मी विशाल प्रजापति निवासी खजूरी रुण्ड़ा ने बदमाशों को देख लिया। उसने अपने फील्ड मैनेजर दीपक मालवीय को इसकी सूचना दी। बदमाशों के आने

की सूचना के बाद फील्ड मैनेजर ने गरोठ थाने में पदस्थ एएसआई गजेंद्र शर्मा को कॉल किया लेकिन रिस्पॉन्स मिलने की बजाय पुलिसकर्मी ने अपशब्द कहते हुए फोन काट दिया। फील्ड मैनेजर ने पुलिस कर्मी से कहा कि सर, इमरजेंसी है इसलिए मैंने आपको कॉल किया है, इसके बावजूद पुलिसकर्मी उसे गाली देता रहा। इसी दौरान चोरी करने आए बदमाशों ने सुरक्षाकर्मी विशाल प्रजापति पर हमला कर उसकी पत्थरों से कुचलकर हत्या कर दी। फील्ड मैनेजर और पुलिसकर्मी के बातचीत की रिकॉर्डिंग सामने आने के बाद एसपी अनुराग सुजानिया ने एएसपी गजेंद्र शर्मा को सस्पेंड कर दिया है। फिलहाल शव को पीएम के लिए अस्पताल ले जाया गया है और पुलिस ने मामला दर्ज किया है। एएसपी हेमलता कुरील ने बताया कि मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज कर लिया है। वहीं अपशब्द कहने वाले पुलिसकर्मी को सस्पेंड कर दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

विधायक अरुण भीमावद ने किया निर्माणाधीन बस स्टैंड का निरीक्षण

एक माह में शुरू करवा देंगे बस स्टैंड...एक हफ्ते में व्यापारियों को मिलेगी दुकान-विधायक

भगवान दास बेरागी । सिटी चीफ
शाजापुर, बस स्टैंड के व्यापारी सोमवार को स्थानीय विधायक कार्यालय पहुंचकर 18 माह में दुकानें बनाकर देने के नगर पालिका द्वारा किए गए एग्रीमेंट के अनुसार दुकान दिलवाने की मांग की इसके बाद विधायक श्री अरुण विभाग ने शाम 5:00 बजे स्थानीय बस स्टैंड का निरीक्षण किया एवं व्यापारियों की उपस्थिति में प्रशासनिक अमल से चर्चा करके एक माह में बस स्टैंड शुरू करवाने की बात कही इस दौरान बड़ी संख्या में बस स्टैंड व्यापारी उपस्थित रहे और उन्होंने अपनी-अपनी समस्याएं बताकर विधायक श्री अरुण भीमावत से शीघ्र टी शीघ्र बस स्टैंड प्रारंभ करवाने की मांग की।

खुद खड़े रहकर करवाई सड़के अतिक्रमण मुक्त -विधायक अरुण भीमावत ने सोमवार को स्थानीय निर्माणाधीन बस स्टैंड का निरीक्षण किया एवं ठेकेदार सहित नगरपालिका, व यातायात अमले को सख्ती से सड़कों का अतिक्रमण हटाकर आमजन को आवागमन की सुविधा प्रदान करने के निर्देश दिए। श्री भीमावद ने नगर

पालिका अमले को भी लगातार कार्यवाही कर सड़कों पर फैल रहे अतिक्रमण से सड़कों को मुक्त करने के लिए लगातार कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

दूसरी तरफ की टीन शेड भी हटाएंगे - विधायक श्री भीमावद ने कहा कि व्यापारियों एवं आम जनता को हो रही परेशानियों को देखते हुए हमने ठेकेदार को निर्माणाधीन बस स्टैंड के आसपास की चद्दरे हटाकर यातायात को सुगम बनाने के लिए रास्ता बनाया था। लेकिन उस पर भी अतिक्रमण होने से स्थिति जस की तस हो गई।यातायात अमले को लगातार घूम कर कार्यवाही करना चाहिए। और अतिक्रमण कर्ताओं को भी चाहिए कि वह व्यवस्थित तरीके से अपने व्यापारों का संचालन करें मार्ग में अवरोध न बने। श्री भीमावद ने कहा की ठेकेदार ने बस स्टैंड के एक और की ही चादर हटाई है। जबकि दूसरी ओर स्थिति जस की तस है। दूसरी ओर भी अनावश्यक टीन शेड हटाकर यातायात को सुगम बनाएं।

यह रहे उपस्थित- विधायक श्री अरुण भीमावत के निरीक्षण के दौरान बस स्टैंड व्यापारिक संघ के सचिव उमेश टेलर,कोषाध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव (राजू सेठ),स्थानीय पार्षद विक्रम कुशवाह,व्यापारी लालचंद भाटिया,मुरली भाटिया, राकेश भाटिया,दिलीप भावसार,योगेश भावसार,अशोक कलथींया,राहुल भावसार,महेश भावसार, आशीष नागर, भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष श्याम टेलर, गोविंद नायक, पीरु लाल चौहान, श्यामलाल आहूजा, सहित बड़ी संख्या में व्यापारी गण उपस्थित रहे।

ग्रामीणों को नालसा, सालसा एवं नि:शुल्क विधिक सहायता की दी जानकारी

बुरहानपुर-प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती आशिता श्रीवास्तव के निर्देशानुसार एवं जिला न्यायाधीश/सचिव श्री इन्दु कान्त तिवारी के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बुरहानपुर द्वारा ग्राम पंचायत बड़गांवमाफी में विधिक जागरूकता शिविर सह पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विधिक जागरूकता शिविर में ग्रामीणों को नालसा, सालसा एवं शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई, साथ ही लीगल एड डिफेंस योजना के तहत नि:शुल्क विधिक सहायता एवं सलाह के बारे में भी बताया गया। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों के परिपालन में पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पौधे रोपित किये गये। जिसके तहत 600 पौधे लगाये गये। इस अवसर पर जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जयदेव माणिक, श्री अब्दुल खान, श्री जय चौकसे, श्री अचल बन्नातवाला, पैरालीगल वॉलेंटियर्स सहित अन्य गणमान्य नागरिकगण उपस्थित रहे

सस्ते चीनी आयात का साया, थाईलैंड और अफ्रीका की अर्थव्यवस्था पर पड़ा असर

थाईलैंड सस्ते चीनी आयात के परिणामों से जूझ रहा है। BYD जैसी चीनी कंपनियों द्वारा हाल ही में इलेक्ट्रिक कार कारखानों की स्थापना को शुरू में एक सकारात्मक विकास के रूप में देखा गया था, लेकिन अब ऐसा नहीं है क्योंकि कई कारखानों के बंद होने और बड़ी संख्या में नौकरियों के जाने की रिपोर्ट सामने आई हैं। सुजुकी मोटर के कारखाने का बंद होना सबसे ताज़ा घटना है। यह कारखाना सालाना 60,000 कारों का उत्पादन करता था। यह बंद होना दक्षिण-पूर्व एशिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाली व्यापक प्रवृत्ति को दर्शाता है, जो मुख्य रूप से कम कीमत वाले चीनी सामानों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में असमर्थता से प्रेरित है। बढ़ती ऊर्जा लागत और बढ़ती उम्र के कार्यबल ने थाईलैंड की औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता को और कम कर दिया है। आंकड़े परेशान करने वाले हैं। पिछले एक साल में थाईलैंड में लगभग 2,000 कारखाने बंद हो गए, जिसके परिणामस्वरूप 51,500 से अधिक नौकरियां चली गईं। इस औद्योगिक मंदी ने देश की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया है, जो विनिर्माण पर बहुत अधिक निर्भर है, जो इसके सकल घरेलू उत्पाद का लगभग एक चौथाई योगदान देता है। वीएमसी सेफ्टी ग्लास के पूर्व कर्मचारी चैनपेन सुएत्रोंग जैसे कर्मचारी खुद को बेरोजगार और गंभीर वित्तीय संकट में पाते हैं। थाई प्रधानमंत्री श्रीथा थाविसिन के सामने इस प्रवृत्ति को उलटने और 5त्न वार्षिक जीडीपी वृद्धि के अपने वादे को पूरा करने का बड़ा काम है। सस्ते आयातित सामानों पर 7त्न मूल्य वर्धित कर की शुरूआत सही दिशा में एक कदम है, लेकिन स्थानीय उद्योगों की रक्षा और आर्थिक स्थिरता बहाल करने के लिए अधिक व्यापक उपायों की आवश्यकता है।

ब्रिटेनः डांस क्लास में चाकूबाजी में एक और बच्ची की मौत

मृतकों की संख्या तीन हुई व 5 छात्र गंभीर

लंदन = उत्तर-पश्चिमी इंग्लैंड के साउथपोर्ट में बच्चों की डांस क्लास में हुई चाकूबाजी की घटना में नौ साल की एक बच्ची की मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। इससे पहले, छह और सात साल की दो बच्चियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। मर्सीसाइड पुलिस ने बताया कि इस घटना में घायल पांच अन्य बच्चे और दो वयस्क गंभीर हालत में हैं। घटना के समय ये बच्चे टेलर स्विफ्ट के संगीत पर आधारित एक ग्रीष्मकालीन अवकाश कार्यशाला में भाग ले रहे थे।

मामले में 17 वर्षीय संदिग्ध आरोपी को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की जा रही है। मर्सीसाइड पुलिस की प्रमुख कांस्टेबल सेरेना केनेडी ने बताया कि आरोपी को हत्या और हत्या के प्रयास के आरोप में हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने कहा कि हमले का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है और इसे आतंकवाद से संबंधित नहीं माना जा रहा है। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि वे किसी और संदिग्ध की तलाश नहीं कर रहे हैं। गायिका टेलर स्विफ्ट ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वह पूरी तरह स्तब्ध हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, डांस क्लास में ये छोटे-छोटे बच्चे थे। मैं पूरी तरह असमंजस में हूं कि इनके परिवारों तक अपनी संवेदनाएं कैसे पहुंचाऊं।

हैती के प्रधानमंत्री की सुरक्षा में अस्पताल के बाहर अधिकारियों ने चलाई गोलियां

इंटरनेशनल डेस्क: हैती के प्रधानमंत्री गैरी कोनिले को पोर्ट-ऑ-प्रिंस स्थित एक अस्पताल से बाहर निकलते समय सुरक्षा के लिए अधिकारियों को गोलियां चलानी पड़ीं। प्रधानमंत्री के कार्यालय ने यह जानकारी दी ।बयान में बताया गया कि कोनिले, राष्ट्रीय पुलिस प्रमुख नॉर्मिल रामेउ और कुछ पत्रकारों के साथ अस्पताल में थे, जब अचानक इमारत के बाहर गोलियों की आवाज सुनाई दी। प्रधानमंत्री ने एक साक्षात्कार की रिकॉर्डिंग पूरी की थी, तभी गोलियों की आवाज आई। सुरक्षा अधिकारियों ने प्रधानमंत्री और उनकी टीम को अस्पताल से सुरक्षित बाहर निकालने के लिए गोलियां चलाईं।

इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इस महीने की शुरुआत में, कोनिले और पुलिस प्रमुख ने इसी अस्पताल का दौरा किया था, जब प्राधिकारियों ने कहा कि उन्होंने हथियारबंद गिरोहों को अस्पताल में कब्जा कर लिया है। उस समय, कोनिले ने अस्पताल को ''युद्ध क्षेत्र बताया था। प्रधानमंत्री के कार्यालय ने बताया कि अस्पताल अब भी हैती की राष्ट्रीय पुलिस और केन्याई पुलिस के नेतृत्व वाले संयुक्त राष्ट्र के बहुराष्ट्रीय सुरक्षा मिशन के नियंत्रण में है, जिसका उद्देश्य हैती में आपराधिक गिरोहों से निपटना है।

ये कैसा हेयरस्टाइल है... लड़की के बाल देख लोगों का चकराया सिर

सोशल मीडिया पर हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें एक महिला के बालों से अनोखा छाता बनाया। इस वीडियो में हेयरस्टाइलिस्ट एक महिला के पास खड़ी हैं। वह पहले एक छाता खोलती हैं और उसे छोड़कर महिला के बालों पर काम करना शुरू कर देती हैं। महिला छातेनुमा तारों से छाते का बेस स्ट्रक्चर बनाती हैं और फिर उन तारों में पतली चोटियां बुनती हैं। इसके बाद वह बालों को इस तरह फैला देती हैं कि वे सचमुच एक छाते की तरह दिखने लगते हैं। अंत में, बालों से बना यह छाता इतना अनूठा और खूबसूरत दिखाई देता है कि ऐसा लगता है कि महिला ने असल में एक छाता पहना हुआ है। छाते का सिरा और नीचे तक जाती छड़ी भी साफ दिखाई देती है, जो सीने के पास जाकर मुड़ जाती है।

यह वीडियो आतेफे काबिरी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट @atefe_kabiri_hairstylist से शेयर किया है। काबिरी अपने अनोखे और क्रिएटिव हेयरस्टाइल्स के लिए मशहूर हैं। उनके इस वीडियो को अब तक 5 करोड़ 93 लाख लोग देख चुके हैं। इससे पहले, काबिरी पेरिस का एफिल टॉवर जैसे अनोखे हेयरस्टाइल बनाकर भी चर्चा में आ चुकी हैं।

वैश्विक डिजिटल भुगतान में भारत की हिस्सेदारी लगभग आधीः भारतीय रिजर्व बैंक रिपोर्ट

नई दिल्ली- सोमवार को जारी भारतीय रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक रीयल-टाइम भुगतान मात्रा में भारत की हिस्सेदारी 48.5 प्रतिशत है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत वैश्विक प्रेषण में दुनिया में सबसे आगे है और 2023 में उसे 115.3 बिलियन अमरीकी डॉलर प्राप्त हुए। रिपोर्ट में कहा गया है, भारत वैश्विक रीयल-टाइम भुगतान मात्रा में 48.5 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ दुनिया में सबसे आगे है। मोबाइल मनी और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए तेज़ी से किए जा रहे वैश्विक प्रेषण के 2023 में बढ़कर 857.3 बिलियन अमरीकी डॉलर होने का अनुमान है, जिसमें भारत (115.3 बिलियन अमरीकी डॉलर) सबसे आगे है।डिजिटल अर्थव्यवस्था वर्तमान में भारत के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग दसवां हिस्सा बनाती है और पिछले दशक में देखी गई वृद्धि दरों के आधार पर 2026 तक सकल घरेलू उत्पाद का पाँचवाँ हिस्सा बनने की उम्मीद है। आरबीआई के अनुसार, पिछले सात वर्षों में डिजिटल भुगतान ने मात्रा के लिहाज से 50 प्रतिशत और मूल्य के लिहाज से 10 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) दर्ज की है, जिसमें 2023-24 में 428 लाख करोड़ रुपये के 164 बिलियन लेनदेन शामिल हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत डिजिटल क्रांति में सबसे आगे है, जो न केवल वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) को अपना रहा है, बल्कि इंडिया स्टैक को भी अपना रहा है, जिसमें बायोमेट्रिक पहचान, एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस (यूपीआई), मोबाइल कनेक्टिविटी, डिजिटल लॉकर और सहमति-आधारित डेटा साझाकरण शामिल हैं।

मिनी ट्रक से टकराई कार, जन्मदिन मनाकर लौट रहे तीन दोस्तों की मौत

बरेली- जिले के सीबीगंज थाना क्षेत्र में देर रात मिनी ट्रक की टक्कर से कार सवार तीन दोस्तों की मौत हो गई। इनमें से एक के जन्मदिन की पार्टी मनाकर सभी अपने घर शाही कस्बा लौट रहे थे। उनका एक साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। कस्बा शाही के मोहल्ला हसनपुर निवासी ताजीम (22), नेहरू नगर के कामरान (23) और वलीनगर के सोनू (22) व जुनैद (22) मंगलवार को कार से बरेली आए थे। नैनीताल रोड स्थित एक होटल में कामरान की जन्मदिन की पार्टी मनाने के बाद वे घर लौट रहे थे। रास्ते में सीबीगंज-मथुरापुर के बीच हादसा हो गया।

तीन दोस्तों की घटनास्थल पर ही हुई मौत

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक फोरलेन हाईवे पर एक कट से मुड़ते वक्त विपरीत दिशा से आ रहे डीसीएम मिनी ट्रक से उनकी कार की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखचे उड़ गए। ताजीम, कामरान और सोनू की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि जुनैद गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के वक्त कार कौन चला रहा था, अभी यह साफ नहीं हो सका है। हादसे के बाद चालक डीसीएम को मौके पर छोड़कर भाग गया। पुलिस ने उसे कब्जे में ले लिया है। देर रात युवकों के परिजन समेत शाही के काफी लोग जिला अस्पताल पहुंच गए। कामरान अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था।

माता पिता का था मिराज अली इकलौता बेटा

बताया जा रहा है कि हादसे में जान गंवाने वाले तीनों दोस्त प्रतिष्ठित परिवार के बेटे थे। पठान परिवारों के हम उम्र युवक आपस में दूर के रिश्तेदार और गहरे दोस्त थे। कामरान का मंगलवार को जन्मदिन था। वह बिल्डिंग मैटेरियल का काम करने वाले मिराज अली का इकलौता बेटा था। दिन में कामरान परिवार के साथ व्यस्त रहा। शाम को दोस्तों के साथ चला गया। रात में हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। कामरान समेत दूसरे साथियों की मौत के बाद उनके कई दोस्त भी शहर से आ गए थे। दोस्त शबाव खान ने बताया कि कामरान और जुनैद की पढ़ाई उत्कर्ष कॉलेज से चल रही थी। घटनास्थल भी लगभग इसी कॉलेज के सामने ही है। ऐसे में इस बात को लेकर भी चर्चा हो रही है।

इजराइल ने लिया बदला ! ईरान में हमास नेता इस्माइल हनियेह की हत्या

तेहरान- ईरान के अर्धसैनिक बल 'रिवोल्यूशनरी गार्ड ने बुधवार को कहा कि तेहरान में हमास नेता इस्माइल हनियेह की हत्या कर दी गई है। फिलहाल किसी ने भी हत्या की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन इसका शक इजराइल पर है, जिसने सात अक्टूबर को देश में हुए अप्रत्याशित हमले को लेकर हनियेह और हमास के अन्य नेताओं को मारने का संकल्प लिया था।

हनियेह मंगलवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेने के लिए तेहरान में था। ईरान ने यह नहीं बताया कि हनियेह की हत्या कैसे हुई और उसे किसने मारा। रिवोल्यूशनरी गार्ड ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। ईरान के सरकारी टेलीविजन पर विश्लेषकों ने तुरंत इस हत्या के लिए इजराइल को जिम्मेदार ठहराना शुरू कर दिया। इजराइल ने अभी इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। हनियेह ने 2019 में गाजा पट्टी छोड़ दी थी और कतर में निर्वासन में रह रहा था। गाजा में हमास का शीर्ष नेता येह्या सिनवार है, जिसने सात अक्टूबर को इजराइल पर हमले की साजिश रची थी। इस हमले में 1,200 लोग मारे गए थे और करीब 250 लोगों को बंधक बना लिया गया था। हनियेह की हत्या ऐसे वक्त में हुई है, जब अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन हमास और इजराइल को एक अस्थायी संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई संबंधी समझौते पर राजी करने का प्रयास कर रहा है। अभी व्हाइट हाउस ने हनियेह की हत्या पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

शादी का प्रपोजल ठुकराया तो बीच बाजार सिरफिरे ने महिला के चेहरे पर फेंका पेट्रोल से भरा बैलून, फिर लगाई आग

नेशनल डेस्क- मध्य प्रदेश के जबलपुर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। एक सिरफिरे व्यक्ति ने बाजार में एक महिला पर पेट्रोल से भरा बैलुन फेंककर आग लगा दी। महिला जलने लगी और मौके पर हड़कंप मच गया। इसके बाद आरोपी ने खुद पर भी पेट्रोल डालकर आग लगा ली। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने किसी तरह आग बुझाई और दोनों को अस्पताल पहुंचाया।

यह घटना बाजार में हुए हंगामे और डर की वजह बनी और लोगों ने तेजी से प्रतिक्रिया देकर आग बुझाई। पुलिस की जांच के बाद ही पूरी घटना के पीछे की सच्चाई सामने आ सकेगी।

पुलिस के अनुसार, महिला माने गांव की निवासी थी और मस्ताना चौक पर फूलमाला की दुकान चलाती है।उसी समय नरेंद्र पंजाबी नामक व्यक्ति वहां पहुंचा और महिला से शादी की बात को लेकर विवाद करने लगा। महिला के इनकार करने पर, नरेंद्र ने जेब से पेट्रोल भरे दो गुब्बारे निकालकर महिला पर फेंक दिए और आग लगा दी। इसके बाद, नरेंद्र ने बचा हुआ पेट्रोल खुद पर डाल लिया और खुद को भी आग लगा ली। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह आग बुझाई और दोनों को अस्पताल पहुंचाया।

पुलिस के अनुसार, महिला पहले से शादीशुदा थी और कई बार नरेंद्र के शादी के दबाव को लेकर पुलिस से शिकायत कर चुकी थी। पुलिस ने नरेंद्र के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच जारी है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569